ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 3, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 298 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
04 मई 2026 सोमवार

आज का मौसम
38.2 अधिकतम
22.2 न्यूनतम

दोपहर मेट्रो
बेबाक खबर हर दोपहर

Page- 7

बंगाल चुनाव में पूरी ताकत झोंकने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह आखिर सफल हुए। प्रदेश में कमल खिलाने का भाजपा का दशकों पुराना सपना आज साकार हो गया। पार्टी ममता बनर्जी का किला ढहाते हुए पूर्ण बहुमत की ओर बढ़ रही है। उधर, तमिलनाडु में बड़ा फेरबदल करते हुए अभिनेता विजय अपने पहले ही राजनीतिक अभियान में जीत हासिल करते हुए सत्ता के शिखर पर पहुंचते दिख रहे हैं। असम में भाजपा शानदार वापसी कर रही है तो केरल में कांग्रेस को बड़ी सफलता मिल रही है। पुडुचेरी में एनडीए की सरकार बनेगी।

बंगाल में कमल का सपना साकार

4 मई...ममता गईं

» मोदी ने हर रैली में कहा था- 'मतगणना का दिन ममता की विदाई लाएगा'

» 15 साल बाद ढह गया दीदी का किला

» 200 के आंकड़े के करीब पहुंची भाजपा

» कांग्रेस और लेफ्ट का पूरी तरह सफाया

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव रिजल्ट के रुझानों में बीजेपी एकतरफा जीत हासिल करती दिख रही है। वोटों की शुरुआती गिनती में कड़े मुकाबले के बाद अब हालात तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं और बीजेपी ने निर्णायक बढ़त बनाते हुए सियासी समीकरण पूरी तरह उलट दिए हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक बीजेपी 189 सीटों पर बढ़त के साथ स्पष्ट बहुमत से काफी आगे निकल चुकी है, जबकि ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी महज 97 सीटों पर सिमटती दिख रही है।

इन रुझानों को देखते हुए बंगाल में 'बीजेपी की सुनामी' वाली बात अब महज राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत बनती दिख रही है। 294 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 148 है, जिसे बीजेपी काफी पीछे छोड़ चुकी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल अब यह बन गया है कि क्या बीजेपी 200 सीटों का आंकड़ा भी पार कर पाएगी? अगर स्ट्राइक रेट पर नजर डालें तो टीएमसी ने 291 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए करीब 34 प्रतिशत के आसपास प्रदर्शन किया है, जो पिछले चुनाव की तुलना में भारी गिरावट दर्शाता है। वहीं बीजेपी, जिसने सभी 294 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, अब तक 189 सीटों पर बढ़त बनाकर ऐतिहासिक प्रदर्शन की ओर बढ़ती दिख रही है। वाम दलों और कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है।

पश्चिम बंगाल	
कुल सीटें	294
भाजपा	189
टीएमसी	97
कांग्रेस	00
अन्य	06

असम	
कुल सीटें	126
भाजपा	100
आईएनसी	23
एआईयूडीएफ	02
अन्य	01

केरल	
कुल सीटें	140
यूडीएफ	99
एलडीएफ	37
एनडीए	02
अन्य	02

तमिलनाडु	
कुल सीटें	234
टीवीके	109
एआईएडीएमके	64
डीएमके	62
अन्य	00

पुडुचेरी	
कुल सीटें	30
भाजपा	22
आईएनसी	05
अन्य	03

अमित शाह का बढ़ेगा कद

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बंगाल चुनाव के नतीजे से ममता बनर्जी को बैकफुट पर जाएंगी ही, गृहमंत्री अमित शाह का कद बढ़ेगा। इस चुनाव की रणनीति का पूरा जिम्मा शाह ही संभाल रहे थे। लगातार लंबे समय तक प्रदेश में कैंप कर उन्होंने एक-एक सीट के लिए रणनीति बनाई। इसी का नतीजा है कि पार्टी 200 के आंकड़े के करीब पहुंचती दिख रही है। यह चुनाव न सिर्फ सत्ता परिवर्तन का संकेत दे रहा है, बल्कि बंगाल की राजनीति में बड़े बदलाव की ओर भी इशारा कर रहा है।

दोपहर मेट्रो का आकलन रहा नतीजों के करीब

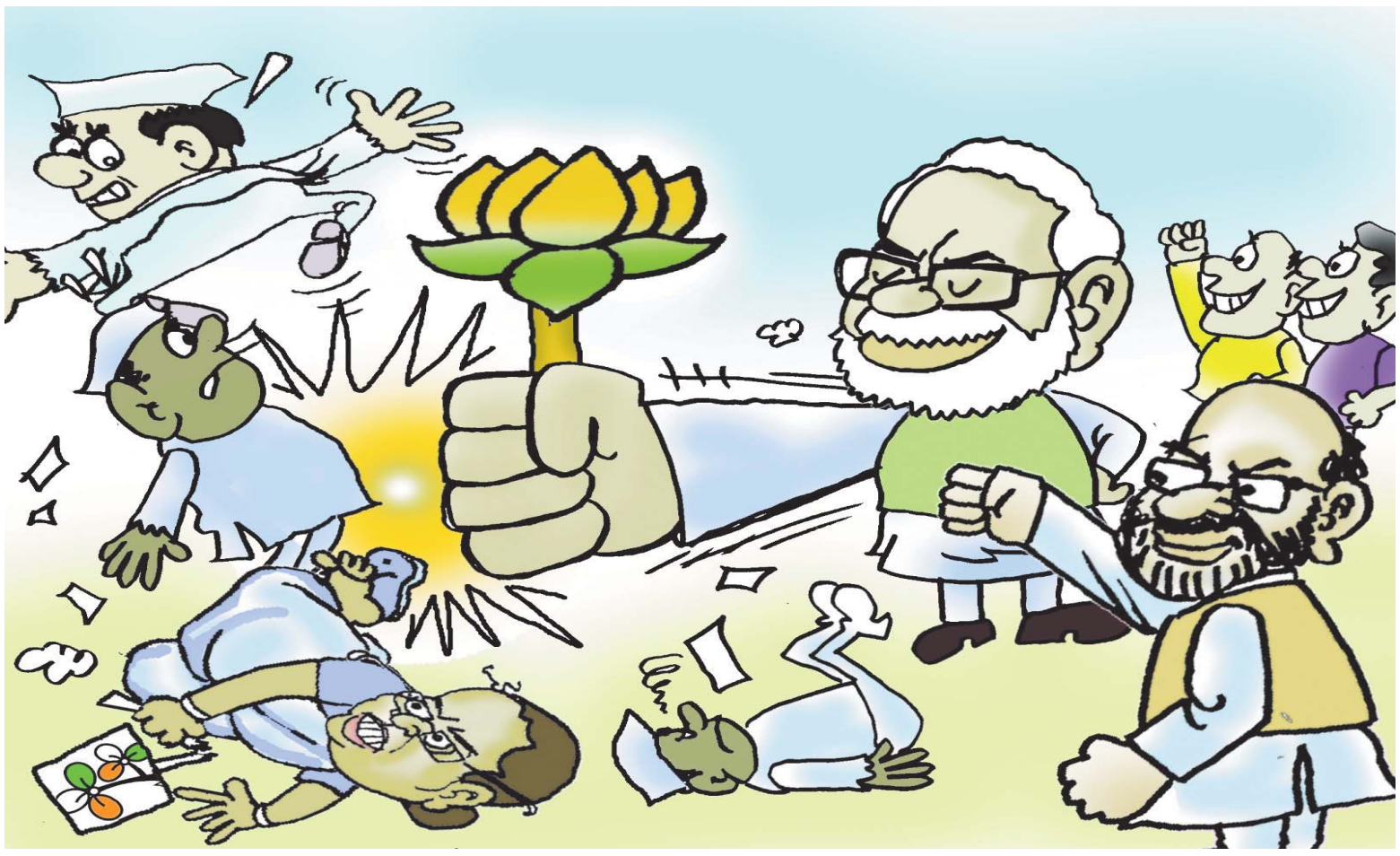

एग्जिट पोल के नतीजे आने के बाद दोपहर मेट्रो ने अपना आकलन प्रकाशित किया था जो वास्तविक नतीजों के एकदम करीब रहा। इसमें बताया गया था कि बंगाल की चुनावी रणनीति के लिए भाजपा ने अपनी पुरानी गलतियों को सुधारा है। इसी का फायदा पार्टी को मिलेगा। पिछली बार की तरह इस बार ममता को जनता की सहानुभूति नहीं मिलेगी। इसी तरह बताया था कि तमिलनाडु में एक्टर विजय की मौजूदगी समीकरण बिगाड़ सकती है। हालांकि वे अब किंग मेकर नहीं, किंग बनकर उभरे हैं।

इस बार ममता के पैर में न प्लास्टर था और न साथ में गैस सिलेंडर

भाजपा के पांच वादे जिनसे बंगाल में मिली जीत

घुसपैठियों को बाहर करने का वादा
बार-बार घुसपैठ के मुद्दे को उठाया। अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की पहचान कर उन्हें बाहर किया जाएगा। मुद्दे को राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थानीय लोगों के अधिकारों से जोड़कर पेश किया गया।

जनकल्याणकारी योजनाएं
कई नई जनकल्याणकारी योजनाओं का वादा। गरीबों, किसानों और महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं। केंद्र की योजनाओं को राज्य में सही तरीके से लागू किया जाएगा। मई से हर महिला के बैंक खाते में 3000 रुपए। बेरोजगार युवाओं के खातों में भी 3000 रुपए प्रति माह जमा होंगे।

कानून-व्यवस्था
कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और सूबे में योगी आदित्यनाथ का यूपी मॉडल लागू किया जाएगा। अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की गुंडागर्दी पर भी लगाम कसने और उन्हें उल्टा लटकाकर सीधा करने की भी बात कही। शहरी और मध्यम वर्ग के मतदाताओं के बीच असर डाला।

भ्रष्टाचार का खात्मा
सरकारी योजनाओं में हो रही गड़बड़ियों और घोटालों पर रोक लगाई जाएगी। पारदर्शिता बढ़ाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का भरोसा। टीएमसी पर 'सिंडिकेट राज' चलाने का आरोप। लंबे समय से सिस्टम में सुधार की उम्मीद करने वालों का समर्थन।

उद्योग-धंधे वापस लाएंगे
गाल में बंद हो चुके उद्योगों को फिर से शुरू किया जाएगा। नए निवेशकों को आकर्षित किया जाएगा। उद्योग धंधे आने से सूबे में नौजवानों को रोजगार मिलेगा और बेरोजगारी में कमी आएगी। युवाओं और व्यापार से जुड़े लोगों के बीच यह मुद्दा चर्चा का विषय बना रहा।

तमिलनाडु के नए हीरो विजय

चेन्नई। तमिलनाडु में सुपरस्टार थलपति विजय की नई पार्टी टीवीके ने कमाल कर दिया है। इस नई पार्टी ने पुरानी और स्थापित पार्टी डीएमके एआईडीएमके को भी पीछे छोड़ दिया। अभी तक जो रुझान सामने आए हैं, उसके मुताबिक पार्टी 105 सीटों पर आगे चल रही है। तमिलगा वेट्री कजगम पार्टी की स्थापना 2 फरवरी 2024 को हुई थी। इसके संस्थापक साउथ के प्रसिद्ध अभिनेता थलपति विजय हैं। विजय ने सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी नहीं बनाई बल्कि एक राजनीतिक आंदोलन शुरू किया, जिसका मकसद तमिलनाडु के सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम करना और अपने लोगों की सामूहिक प्रगति और कल्याण के लिए समर्पित एक शक्ति बनना था।

लेफ्ट का आखिरी राज्य से भी सफाया

केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) को बढ़त मिलती दिख रही है। इसके साथ ही आजादी के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है कि देश के किसी भी राज्य में अब लेफ्ट की सरकार नहीं रहेगी। केरल आखिरी राज्य था, जहां लेफ्ट की सरकार बची हुई थी। इससे पहले भी त्रिपुरा और बंगाल से लेफ्ट साफ हो चुका है। यूडीएफ को फिलहाल 98 सीटें मिलती दिख रही हैं जबकि 38 सीटों के साथ एलडीएफ पिछड़ गया है।

ममता को अभी भी उम्मीद

मैं सभी काउंटिंग एजेंटों और उम्मीदवारों से अनुरोध करती हूं कि वे स्ट्रॉन्ग रूम में ही रहें और अपने केंद्रों को छोड़कर न जाएं। मैं कल से ही यह कह रही हूं कि भाजपा के वोट सबसे पहले दिखाए जाएंगे। असल में, कई केंद्रों पर वोटों की गिनती रोक दी गई है। वे चुनाव में हेर-फेर करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं टीएमसी के उम्मीदवारों से अनुरोध करना चाहती हूं कि वे निराश न हों। मैंने आप लोगों से कहा था कि सूरज डूबने के बाद आप सभी जीत जाएंगे। बस इंतज़ार कीजिए और देखिए।

असम में जीत के नायक हिमंत बिस्वा सरमा

असम में भाजपा की फिर वापसी के नायक हिमंत बिस्वा सरमा ने फिर अपना लौहा मनवा लिया है। उन्हें के नेतृत्व में पार्टी ने हैट्रिक हासिल की है। कभी कांग्रेस की जीत के नायक रहे हिमंत ने साल 2015 में पार्टी का दामन छोड़ बीजेपी का हाथ थामा था। बीजेपी ने उन पर भरोसा जताया और साल 2016 के चुनाव में उम्मीदवार बनाया। पार्टी जीती तो वह असम के मुख्यमंत्री बने। साल 2021 में भी बीजेपी ने हिमंत के नेतृत्व में चुनाव लड़ा और विजय हासिल की। इस बार फिर से बीजेपी की कमान हिमंत में हाथ में थी।

शाम 7 बजे बीजेपी ऑफिस पहुंचेंगे मोदी

तीन राज्यों में भारी सफलता के आसार देखते हुए भारतीय जनता पार्टी की ओर से जानकारी दी गई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम 7 बजे दिल्ली में भाजपा कार्यालय पहुंचेंगे। पार्टी में यह परंपरा पिछले काफी समय से देखी जा रही है। जब भी उत्साहजनक जीत मिलती है प्रधानमंत्री कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने पार्टी दफ्तर जाकर संबोधित करते हैं। आज भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के पहुंचने की संभावना है।

भागलपुर : आर्मी की मदद मांगी

पुल का 34 मीटर स्लैब गंगा में गिरा 16 जिलों की कनेक्टिविटी प्रभावित

भागलपुर, एजेंसी

बिहार के भागलपुर में 4.7 किमी लंबे विक्रमशिला सेतु का 34 मीटर हिस्सा देर रात गंगा में गिर गया। राहत की बात रही कि प्रशासन ने पहले ही ट्रैफिक रोक दिया था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

इस घटना से सीमांचल समेत करीब 16 जिलों की कनेक्टिविटी प्रभावित हुई है और रोजाना करीब एक लाख लोगों के आवागमन पर असर पड़ा है। पिछले 10 साल में इस पुल की तीन बार मरम्मत हो चुकी है और हाल ही में मार्च 2026 में भी रिपेयर वर्क हुआ था। लापरवाही को लेकर पथ निर्माण विभाग ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को सस्पेंड किया है। पुल को ठीक करने के लिए सीएम सम्राट ने केंद्र सरकार से बात की। पुल मरम्मत के काम को तेजी से करने के लिए आर्मी बुलाई गई है। सूचना मिलते ही एसएसपी प्रमोद कुमार यादव, एसडीएम विकास कुमार, सिटी डीएसपी अजय कुमार चौधरी और ट्रैफिक डीएसपी संजय कुमार मौके पर पहुंचे।

मौसम का बदला मिजाज : बारामूला-उरी रोड बंद

राजस्थान-बिहार समेत 10 राज्यों में बारिश, मप्र में ओलावृष्टि का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/देहरादून, एजेंसी

राजस्थान, बिहार और उत्तराखंड समेत 10 राज्यों में आंधी-बारिश का दौर जारी है। राजस्थान में खराब मौसम के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। दौसा के लालसोट और कोटपूतली-बहरोड़ के नारायणपुर में ओले गिरे। जम्मू-कश्मीर के लघामा में लैंडस्लाइड के बाद बारामूला-उरी नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया। ट्रैफिक को उरी की ओर बांदी-परानपिलन-दाची मार्ग से डायवर्ट किया गया है।

मध्य प्रदेश में आंधी, बारिश और ओले का दौर जारी है। 4 दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विभाग ने आज 34 जिलों में आंधी-बारिश और 6 में ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। आज भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर और रीवा में ओले गिर सकते हैं। यूपी में आंधी-बारिश जारी है। आज कानपुर, सुल्तानपुर और बाराबंकी समेत 64 जिलों में आंधी, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। लखनऊ में तेज हवा चल रही है।

भोपाल में किसान-मजदूर आंदोलन

दर्जनभर जिलों में किसान नेता हाउस अरेस्ट, सीएम हाउस आने से पहले रोका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में समस्याओं को लेकर भोपाल की ओर कूच करने की तैयारी कर रहे किसान नेताओं को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। फंदा टोल नाके पर एकत्रित होकर राजधानी पहुंचने की रणनीति बना रहे 'राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ' के आंदोलन को पुलिस ने शुरू होने से पहले ही रोकने का प्रयास किया। देवास और रतलाम सहित विभिन्न जिलों के प्रमुख किसान नेताओं को उनके घरों से निकलने से पहले ही नजरबंद कर लिया गया है। वहीं जो किसान घरों से निकल चुके हैं, उन्हें रास्ते में रोका जा रहा है। महासंघ ने मुख्यमंत्री के नाम एक 15 सूत्रीय ज्ञापन तैयार किया है, जिसमें प्रदेश के किसानों की समस्याओं के निराकरण की मांग की है। किसान मजदूर महासंघ की युवा इकाई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष त्रिलोक सिंह गोठी ने बताया कि करीब 30 जिलों से हमारे संगठन के लोग मुख्यमंत्री निवास जाने वाले थे, लेकिन घर पर रोक लिया।

जिम्मेदार अधिकारियों ने गांवों में पेयजल आपूर्ति को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई

475 गांवों में मची त्राहि-त्राहि, अधूरी नलजल योजनाओं ने बढ़ाई मुसीबत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जिला पंचायत के 475 गांवों में भीषण गर्मी के दौरान पेयजल संकट खड़ा होने लगा है, लेकिन पीएचई और जल निगम के जिम्मेदार अधिकारियों ने गांवों में पेयजल आपूर्ति को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई है। यही कारण है कि इन गांवों में पीने के पानी के लिए हैंडपंपों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इन गांवों में 121 नलजल योजनाएं अधूरी पड़ी हैं और जहां योजना संचालित हो रही हैं, वहां 17 हजार से अधिक परिवारों को कनेक्शन नहीं दिए गए हैं। वहीं जिले में तीन हजार से अधिक हैंडपंप का भी जलस्तर कम होने लगा है। जिन 300 से अधिक गांवों में पानी की किल्लत हो रही है, वहां अधिकतर हैंडपंपों में बीस फीट तक पाइप बढ़ाए गए हैं।

जानकारी के अनुसार 475 गांवों में 98 हजार 128 परिवार रहते हैं, जिनमें पेयजल आपूर्ति करने की जिम्मेदारी पीएचई और जल निगम को दी गई है। इन परिवारों में से 17 हजार 555 परिवार ऐसे हैं, जिनको अब तक नल कनेक्शन तक नहीं दिए गए हैं। जबकि 261 गांवों में नलजल योजना से पानी दिया जा रहा है, जिसमें 86 योजनाएं बंद पड़ी हैं और 121 नलजल योजनाएं अब तक अधूरी पड़ी हैं।

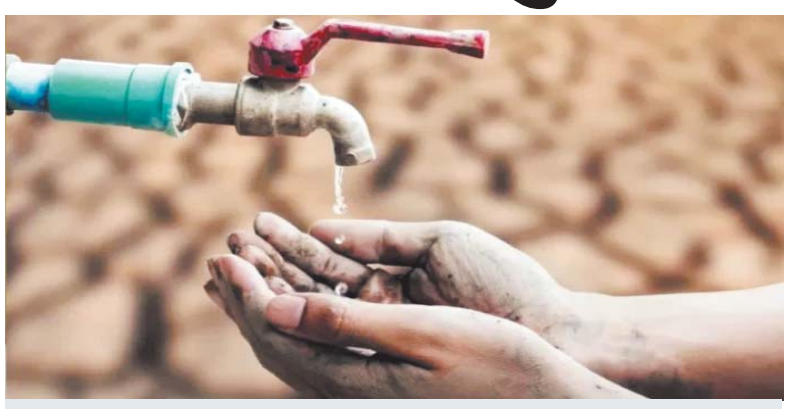

निजी ट्यूबवेलों का सहारा और ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति

ग्राम पंचायत कनेरा में नलजल योजना अधूरी पड़ी होने की वजह से गांव के लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन जाट ने अपने निजी ट्यूबवेल से 100 से ज्यादा घरों में पाइप से कनेक्शन दिए हैं, जिससे इन परिवारों को पानी मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि पानी की किल्लत को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में दो दर्जन निजी ट्यूबवेलों का अधिग्रहण किया जाएगा। तीन हजार हैंडपंप से जलापूर्ति- गांवों में पानी की आपूर्ति अब हैंडपंपों पर निर्भर हो गई है, जबकि कुछ गांवों में निजी ट्यूबवेलों से पानी की आपूर्ति की जा रही है। करीब चार हजार 92 हैंडपंप में से तीन हजार 828 पानी दे रहे हैं। इनका जलस्तर गिरने की वजह से पाइप बढ़ाकर काम चलाना पड़ रहा है, जबकि 264 हैंडपंप पूरी तरह से बंद हो गए हैं। पीएचई कार्यपालन यंत्री सुदेश मालवीय ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर गांवों में नलजल योजना से जलापूर्ति की जा रही है। जहां दिक्कत हो रही है वहां ग्रामीण हैंडपंपों से पानी ले रहे हैं। कुछ पंचायतों में नलजल योजना का संचालन किया जा रहा है।

मेंटेनेंस के चलते भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस निरस्त

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल से संचालित भोपाल-जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस के यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल अंतर्गत कनकपुरा स्टेशन पर यार्ड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते मई में इस ट्रेन के फेरे निरस्त किए गए हैं।

मई में अलग-अलग तारीखों पर नहीं चलेगी दोनों दिशाओं की ट्रेन

रेलवे प्रशासन के अनुसार यह कार्य भविष्य में ट्रेनों की सुरक्षित और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

निरस्त ट्रेनों का शेड्यूल इस प्रकार है

गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस भोपाल से 04, 05, 08, 12, 13 एवं 14 मई 2026 को कुल 7 ट्रिप निरस्त रहेगी।

गाड़ी संख्या 14813 जोधपुर-भोपाल एक्सप्रेस जोधपुर से 04, 07, 11, 12 एवं 13 मई 2026 को कुल 7 ट्रिप निरस्त रहेगी।

ट्रिपल आईटी में बीटेक सीटें 705 से बढ़कर 1080

इंजीनियर बनने की कोशिश कर रहे विद्यार्थियों के लिए अवसर बढ़े

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी (आईआईआईटी) भोपाल में नए सत्र 2026-27 से सीटों में बड़ा इजाफा किया गया है। खासतौर पर बीटेक कोर्स में सीटें 705 से बढ़ाकर सीधे 1080 कर दी गई हैं। यानी एक ही साल में 375 सीटों की बढ़ोतरी हुई है। इससे इंजीनियरिंग में दाखिले के इच्छुक छात्रों के लिए अवसर बढ़ जाएंगे।

सर्वाधिक बढ़ोतरी आईटी और ईसीई (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग) जैसी प्रमुख शाखाओं में हुई है। आईटी की सीटें 100 से बढ़कर 180 और ईसीई 125 से बढ़कर 180 हो गई हैं। वहीं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर फिजिकल सिस्टम जैसी आधुनिक शाखाओं में भी सीटें 60 से बढ़ाकर 90 कर दी गई हैं। फिजिक्स एंड कंप्यूटिंग और मैथ्स एंड कंप्यूटिंग जैसे उभरते कोर्स में सीटें तीन गुना तक बढ़ाई गई हैं। पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स में भी विस्तार किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बढ़ोतरी सीधे तौर पर आईटी सेक्टर की बढ़ती मांग है। इससे मध्यप्रदेश सहित देशभर के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर के संस्थान में पढ़ने का ज्यादा मौका मिलेगा। आईआईआईटी में भोपाल में बीटेक में प्रवेश जोसा और सीएसएबी काउंसलिंग के जरिए जेईई मेन रैंक के आधार पर होगा, जबकि एमटेक में गेट और एमसीए में निमसेट के जरिए एडमिशन मिलेगा।

इधर, बीयू में लागू होगा ई-ऑफिस सिस्टम

बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी में में फाइल गुम होने और लंबित कामों की समस्या से निपटने के लिए ई-ऑफिस सिस्टम लागू किया जा रहा है। शुरुआत कुलपति, रजिस्ट्रार कार्यालय और छह प्रमुख शाखाओं एकेडमिक, परीक्षा, गोपनीय, वित्त और आईटी से होगी। बाद में सभी यूटीडी विभागों को इससे जोड़ा जाएगा। नई व्यवस्था राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के माध्यम से लागू होगी। इससे फाइलों की ऑनलाइन ट्रैकिंग संभव होगी और यह पता चल सकेगा कि फाइल किस स्तर पर लंबित है। हाल ही में एक अहम फाइल नहीं मिलने पर एफआईआर के निर्देश तक देने पड़े थे। ई-ऑफिस लागू होने के बाद फाइलों के लिए विभागों के चक्कर खत्म होंगे। पूरी प्रक्रिया डिजिटल होने से समय और श्रम दोनों की बचत होगी। छात्रों से जुड़े कामों में देरी भी कम होगी।

चंद्रभान राही का उपन्यास 'अंतिम समय का सच' लोकार्पित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

न्यू भूमिका साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था के तत्वावधान में आयोजित समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार चंद्रभान 'राही' द्वारा रचित उपन्यास 'अंतिम समय का सच' का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध साहित्यकार अश्विनी दुबे ने की। मुख्य अतिथि के रूप में हैदराबाद से पधारे डॉ. सुरेश मिश्रा उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती संध्या सिलावट ने शिरकत की। उपन्यासकार चंद्रभान 'राही' ने अपने रचनाकर्म से जुड़ी स्मृतियों को साझा करते हुए बताया कि उनका यह नवीन उपन्यास मनुष्य के जीवन के अंतिम सोपान (वृद्धावस्था) के मनोवैज्ञानिक द्वंद्व और संघर्षों पर केंद्रित है। प्रख्यात समीक्षक इक़बाल मसूद ने पुस्तक की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की।

साधु वासवानी स्कूल में 'बाल अभिव्यक्ति शिविर' का शुभारंभ

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

साधु वासवानी स्कूल में वार्षिक बाल अभिव्यक्ति शिविर शुरू हो गया है। शिविर का उद्देश्य

ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। शिविर में प्रतिदिन योग, खेलकूद और मार्शल आर्ट्स के साथ-साथ चित्रकला, मेहंदी, कंप्यूटर, कुकिंग, संगीत, नृत्य और स्पोकन इंग्लिश जैसी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण अनुभवी शिक्षकों द्वारा दिया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी, कन्हैयालाल रामनानी और ए.सी. साधवानी ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व को निखारने और उन्हें भविष्य के लिए स्वावलंबी बनाने में सहायक सिद्ध होती हैं। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य सुतापा जसवाल, पीआरओ दीपा आहूजा सहित समस्त स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सुकून के ठहाके....

भोपाल। थकान भरी शाम में अब मुस्कुराहट की रोशनी भी शामिल होने लगी है। ऑफिस के लंबे घंटों के बाद लोग सीधे घर नहीं बल्कि हंसी की तलाश में निकल रहे हैं। लोग अब ऐसे मौके तलाश रहे हैं जहां वे खुलकर हंस सकें। ओपन माइक से लेकर प्रोफेशनल स्टैंडअप कॉमेडी शो तक हंसी के हर फॉर्मेट को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

पैदल यात्रा पर निकले सिंधी दंपति का स्वागत

9 माह में 8900 किमी का सफर, 8 ज्योतिर्लिंगों व 5 शक्तिपीठों के दर्शन

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

अहमदाबाद से 12 ज्योतिर्लिंगों की पैदल यात्रा पर निकले युवा दंपति नीलेश राजानी और सोनिया राजानी का संतनगर पहुंचने पर पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। स्वामी शांतिप्रकाश धर्मशाला में आयोजित समारोह में पंचायत अध्यक्ष माधू चांदवानी व अन्य पदाधिकारियों ने दंपति को शाल और माला पहनाकर सम्मानित किया। नीलेश और सोनिया ने बताया कि उन्होंने अपनी यह कठिन यात्रा 23 जुलाई 2025 को शुरू की थी और अब तक 9 महीनों में 8900 किलोमीटर का सफर तय कर 8 ज्योतिर्लिंगों और 5 शक्तिपीठों के दर्शन कर चुके हैं। प्रतिदिन 40 से 50 किलोमीटर पैदल चलने वाले इस दंपति का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म का प्रचार करना और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ना है। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

कार्यक्रम का संचालन जगदीश आसवानी ने प्रकट किया। इस अवसर पर आसनदास वाधवानी, महेश खटवानी, राम पारदासानी, किशोर साधवानी, राज कुमार थावानी, परषोत्तम हरचंदानी, राज मनवानी, मनोहर सतानी, मुरली गुरानी, नरेश पेसवानी, मूलचंद रामचंदानी, प्रेम पठानी, मूलचंद वासवानी, सुरेश चांदवानी, सीमा लालवानी, भारती चांदवानी, रिद्धि साधवानी आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य में शिविर, 372 की जांच हुई

संतनगर। जेठानंद लालचंदानी की पुण्य तिथि पर निःशुल्क स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सहयोग से आयोजित शिविर का शुभारंभ करुणाधाम आश्रम के पीठाधीश शाण्डिल्य महाराज ने किया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिकों ने जेठानंद जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। शिविर में नेत्र, हड्डी, हृदय, चर्म और दंत रोगों के विशेषज्ञों ने कुल 372 लोगों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया और उन्हें निशुल्क दवाएं वितरित कीं। साथ ही, जागरूकता अभियान के तहत 31 लोगों (18 पुरुष और 13 महिलाएं) ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस दौरान शुगर, थायराइड और बीपी की जांचें भी की गईं। कार्यक्रम में डॉ. सुरेश भांभानी, जयकिशन लालचंदानी और समाज के अन्य प्रमुख व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भक्ति और श्रद्धा के साथ भगवान पार्श्वनाथ का किया अभिषेक

भोपाल। बैरागढ़ कला स्थित भगवान पार्श्वनाथ जिनालय में प्रतिदिन श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना का आयोजन किया जा रहा है। जिनालय में 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक और शांति धारा विधि-विधान से की जा रही है। श्रद्धालु नियमित रूप से नवकार महामंत्र और भक्तामर स्तोत्र का वाचन कर धार्मिक वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि श्री पार्श्वनाथ विधान के दौरान श्रद्धालुओं ने अष्ट द्रव्य अर्पित कर सभी के सुख-समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। शाम के समय जिनालय में संगीतमय आरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर डॉ. अनिल जैन, राजेश जैन, विनीत जैन, मनोज, सन्मत, संदीप, यश, मोनू, दीपक सहित महिला मंडल की रजनी, सपना, जया, रिंकी, माणिकला, स्वाति और गहना सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भक्तों ने विशेष पूजा-अर्चना की, हुआ प्रसाद वितरण

दादाजी धाम में श्रद्धा और भक्ति से मनाया नारद मुनि का जन्मोत्सव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रायसेन रोड स्थित पटेल नगर के जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल दादाजी धाम मंदिर में देवर्षि नारद मुनि का जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर में भगवान लक्ष्मी-नारायण के समक्ष विधि-विधान से पूजन कर श्रद्धालुओं ने धर्म, आस्था और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की।

पूजा के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया, जहां भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। पूरे परिसर में भजन-कीर्तन और 'नारायण-नारायण' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

धार्मिक मान्यता के अनुसार देवर्षि नारद मुनि को भगवान विष्णु का परम भक्त और दिव्य ज्ञान का स्रोत माना जाता है। वे लोक-कल्याण के लिए संचार के अग्रदूत के रूप में भी विख्यात हैं। उनकी भक्ति से जीवन में सद्बुद्धि, आध्यात्मिक चेतना और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कार्यक्रम के अंत में दादाजी धाम परिवार की ओर से श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी गईं और सभी के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि की कामना की गई। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर ट्रस्ट और स्थानीय भक्तों की सक्रिय भूमिका रही।

मेट्रो एंकर

सुविधा से कम खर्च में किडनी रोगों की सटीक जांच

एम्स में आधुनिक चिकित्सा तकनीक, शहर के बाहर नहीं जाना पड़ेगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में किडनी से जुड़ी बीमारियों की जांच अब और अधिक सटीक व सुलभ हो गई है। यहां रीनल डाययूरेटिक स्कैन तकनीक के जरिए मरीजों को कम लागत में उन्नत जांच सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जो प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में बेहद सीमित है। एम्स भोपाल के न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग में शुरू की गई रीनल डाययूरेटिक स्कैन तकनीक किडनी की कार्यप्रणाली का विस्तृत और वैज्ञानिक विश्लेषण करने में सक्षम है। इस जांच के माध्यम से यह स्पष्ट रूप से पता लगाया जा सकता है कि किडनी कितनी प्रभावी ढंग से काम कर रही है, यूरिन का प्रवाह सामान्य है या नहीं, और कहीं किसी

प्रकार का अवरोध तो नहीं है। यही कारण है कि यह तकनीक हाइड्रोनेफ्रोसिस जैसे जटिल मामलों में बेहद उपयोगी साबित हो रही है। डॉक्टरों का कहना है कि सामान्य अल्ट्रासाउंड जांच केवल शुरुआती संकेत देती है, जबकि यह आधुनिक स्कैन तकनीक किडनी की कार्यप्रणाली का अधिक सटीक और विस्तृत आकलन करती है। यही नहीं, ऑपरेशन के बाद भी इस जांच का उपयोग किया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किडनी सही तरीके से काम कर रही है और यूरिन का प्रवाह सामान्य हो चुका है। एम्स भोपाल प्रदेश का एकमात्र सरकारी केंद्र है, जहां यह उन्नत सुविधा किफायती दरों पर उपलब्ध है। निजी अस्पतालों में यह जांच काफी महंगी होती है, जिससे आम मरीजों के लिए इसे कराना कठिन हो जाता है। ऐसे में एम्स की यह पहल न केवल आर्थिक रूप से राहत देने वाली है, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को भी नई मजबूती प्रदान कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, जिन मरीजों को किडनी में सूजन, लगातार दर्द, पेशाब से जुड़ी समस्या या यूरिन के प्रवाह में रुकावट की शिकायत हो, उन्हें यह जांच अवश्य करानी चाहिए। इससे बीमारी का समय रहते पता लगाकर उचित उपचार शुरू किया जा सकता है, जिससे गंभीर जटिलताओं से बचाव संभव है।

किडनी में सूजन एक गंभीर समस्या: विभागाध्यक्ष डॉ. सुरुचि जैन के अनुसार, हाइड्रोनेफ्रोसिस यानी किडनी में सूजन एक गंभीर समस्या है, जो जन्मजात कारणों या किडनी स्टोन के चलते विकसित हो सकती है। इस स्थिति में पेल्वीयूरेटरिक जंक्शन पर अवरोध उत्पन्न हो जाता है, जिससे किडनी पर दबाव बढ़ता है और उसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है। ऐसे मामलों में रीनल डाययूरेटिक स्कैन बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मिल्क कैपिटल बनने की दिशा में बढ़ते मध्यप्रदेश के कदम

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

राज्य स्तरीय
दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलन

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

4 मई, 2026 | मेला ग्राउंड, ग्वालियर

समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026

समृद्ध पशुपालक - समृद्ध प्रदेश

दुग्ध उत्पादन
- प्रतिदिन 10 लाख लीटर दुग्ध संकलन
- 26 हजार गांवों को जोड़कर 52 लाख लीटर प्रतिदिन संकलन का लक्ष्य
- 226 लाख टन वार्षिक दुग्ध उत्पादन के साथ मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर

दुग्ध प्रसंस्करण में वृद्धि
- इंदौर में प्रतिदिन 30 मीट्रिक टन क्षमता का दुग्ध चूर्ण संयंत्र प्रारंभ
- 5 वर्षों में दुग्ध प्रसंस्करण इकाइयों में ₹ 3034 करोड़ का निवेश
- 153 नए बल्क मिल्क कूलर स्थापित

नस्ल सुधार एवं स्वास्थ्य
- हिरण्यगर्भा अभियान से नस्ल सुधार
- गोरस मोबाइल ऐप से संतुलित पशु आहार की जानकारी एवं मोबाइल पशु चिकित्सा
- पशु प्रजनन, पशु पोषण और पशु स्वास्थ्य के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि

दुग्ध समितियां
- वर्तमान में 7000+ ग्रामीण दुग्ध सहकारी समितियां कार्यशील
- 1752 नयी दुग्ध सहकारी समितियां गठित

निराश्रित गौ-वंश प्रबंधन
- निराश्रित गौ-वंश के बेहतर प्रबंधन एवं संरक्षण हेतु 6000+ एकड़ भूमि आवंटित
- गौ-शाला निर्माण में निजी भागीदारी

उन्नत तकनीक उत्पादन
- पशु चारा संयंत्रों का आधुनिकीकरण और निर्माण
- डेयरी वैल्यू चैन का डिजिटलीकरण

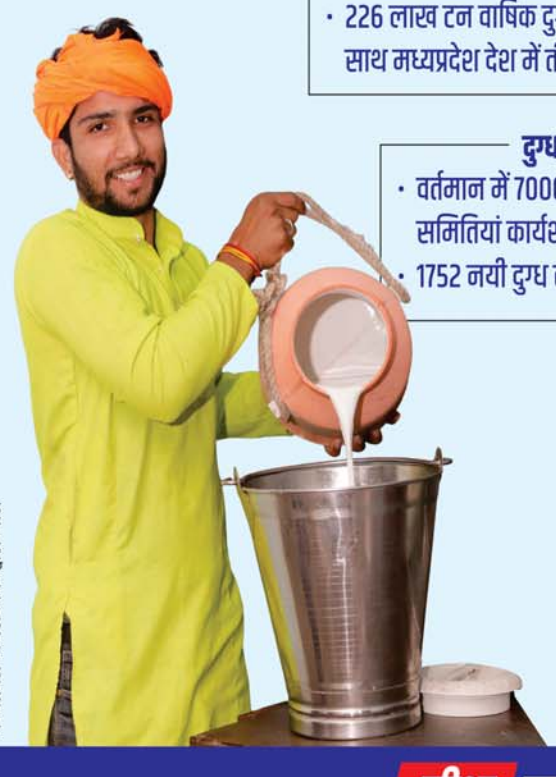

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

मध्यप्रदेश में पशुपालकों की आय वृद्धि के लिए दुग्ध उत्पादन और संकलन बढ़ाने, उन्नत नस्ल के पशु तैयार करने और आत्मनिर्भर गौ-शालाओं तथा निराश्रित गौ-वंश के स्थायी आश्रय जैसे हमारे प्रयासों से वह दिन दूर नहीं जब मध्यप्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल के रूप से जाना जाएगा।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

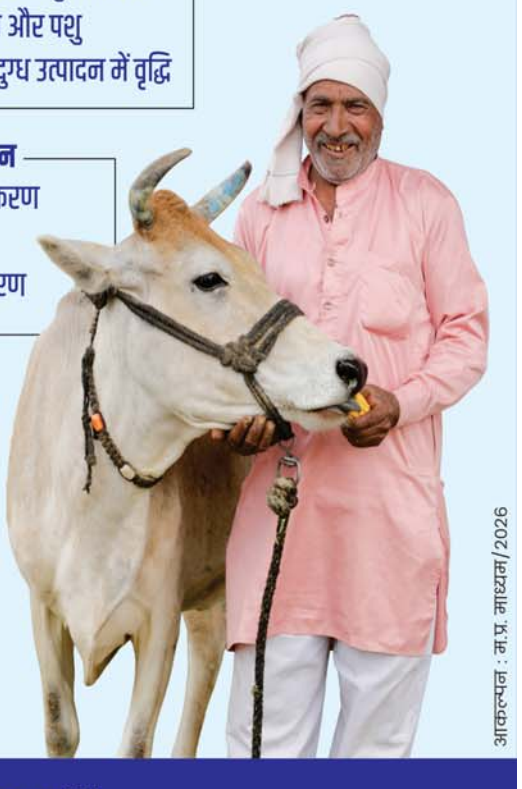

D-11015/26

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

बदलता वैश्विक समीकरण

दुनिया की अर्थव्यवस्था कभी-कभी अदृश्य धागों से बंधी होती है- और उन धागों में सबसे मजबूत है तेल। जब इस धागे में जरा-सी खिंचाव आती है, तो उसकी कंपन दूर-दूर तक महसूस होती है। आज वही कंपन वैश्विक बाजार में सुनाई दे रही है, जहां ओपेक प्लस की बैठक एक साधारण घटना नहीं, बल्कि ऊर्जा राजनीति के बदलते अध्याय की प्रस्तावना बन चुकी है। संयुक्त अरब अमीरात का इस गठबंधन से अलग होना मानो उस कहानी का मोड़ है, जहां एक किरदार के जाने से पूरी कथा का संतुलन डगमगा जाता है। वर्षों से बना यह समूह, जो उत्पादन और कीमतों के बीच संतुलन साधने का दावा करता रहा है, अब अपने ही भीतर की दरारों से जूझता नजर आ रहा है। यूएई का असंतोष केवल कोटे तक सीमित नहीं था; वह उस आकांक्षा की अभिव्यक्ति था, जो खुद को सीमाओं में बंधा हुआ नहीं देखना चाहती। इसी बीच, ईरान से जुड़े तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य का ठहर जाना, जैसे इस कथा में और गहराई जोड़ देते हैं। यह वही रास्ता है, जहां से दुनिया का एक बड़ा हिस्सा ऊर्जा प्राप्त करता है। उसके अवरुद्ध होते ही बाजार की सांसें तेज हो जाती हैं, और कीमतें मानो भय और अनिश्चितता की लहरों पर सवार होकर ऊपर चढ़ने लगती हैं। आज जब अल्जीरिया से लेकर सऊदी अरब तक के देश एक टेबल पर बैठेंगे, तो उनके सामने केवल उत्पादन का आंकड़ा नहीं होगा, बल्कि वह विश्वास भी होगा, जो इस संगठन को एक सूत्र में बांधता आया है। उत्पादन बढ़ाने की संभावनाएं भले ही चर्चा में हों, पर असली सवाल यह है कि क्या यह कदम उस असंतुलन को भर पाएगा, जो भीतर ही भीतर पनप चुका है? वास्तविक उत्पादन और तय सीमा के बीच का अंतर एक ऐसे संगीत की तरह है, जिसमें सुर तो हैं, पर ताल बिखरी हुई है। और जब ताल बिगड़ती है, तो सामंजस्य खो जाता है- ठीक वैसे ही जैसे इस समय ओपेक प्लस के भीतर दिखाई दे रहा है। रूस, जो इस परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, अपने ही संघर्षों में उलझा हुआ है। वहीं अन्य देशों की महत्वाकांक्षाएं, उनकी सीमाएं और वैश्विक दबाव- ये सभी मिलकर एक जटिल चित्र रचते हैं, जहां हर निर्णय दूरगामी असर छोड़ सकता है। यह बैठक केवल तेल के बैरल गिनने की प्रक्रिया नहीं है; यह उस भरोसे की परीक्षा है, जिस पर यह गठबंधन टिका हुआ है।

जानने और गहराई से देखने-समझने के एकात्म चिंतन की जन्मभूमि है भारत

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष

हम सब सोचते हैं। अनेक प्रश्न उठते हैं। प्रश्न स्वयं को जानने का भी है। संसार और स्वयं का बोध जरूरी है। प्रश्न बड़ा है- कैसे जानें इस असीम संसार को। समझ छोटी अति अल्प और संसार बड़ा। प्रश्न और भी हैं। जैसे सृष्टि क्या है? सृष्टि का कोई निर्माता भी है क्या? यह सृष्टि नहीं थी तो क्या था? जो था वह क्या था? क्या शून्य था? क्या सृष्टि ऊर्जा का खेल है? पृथ्वी जल, अग्नि और आकाश प्रत्यक्ष है। इनका सारभूत क्या हैं? सूर्य चन्द्र और तारागण कहां से प्रकाश पाते हैं? सृष्टि निर्माण का आदि तत्व क्या है? कोई परमतत्व है क्या? क्या एक तत्व से ही यह सृष्टि बनी? या सबका साझा प्रयास यह सृष्टि है? सृष्टि और हमारे सम्बंध क्या हैं? आदि। आखिरकार अस्तित्व को कैसे जाने? कैसे शांत करें जिज्ञासा को? कठिनाई दूसरी भी है-जितना देखते हैं, उतने का सार तत्व कैसे ग्रहण करें? हमारी जीवन दृष्टि क्या हो? इंटरनेट ने लाखों-करोड़ों सूचनाएं भर दी हैं। किसे छोड़ें? किसे पढ़ें? क्या शास्त्र पढ़ें? पढ़ें तो विवेचन विश्लेषण कैसे करें? जानने के लिए सोचना जरूरी है और सोचने के पहले ठीक से देखना भी। देखने की एक दृष्टि वैदिक पूर्वजों ने दी है। बाद के इतिहास और दर्शन में प्रायः उसी विवेक को आधार बनाया गया है। इस समझ को प्राप्त करने का दुनिया का सबसे पुराना ग्रंथ है ऋग्वेद। भारत के लोगों ने ऋग्वेद की रचना के पहले ही वैज्ञानिक चिन्तन प्रारम्भ कर दिया था। ऋग्वेद में इसी सोच-विचार के दर्शन हैं। चिंतन की यह दृष्टि निर्णयात्मक नहीं है। दर्शन और विज्ञान निर्णयात्मक नहीं होते। जहां तक जान लिया, वहीं रूक जाना उचित नहीं होता।

ऋग्वेद के एक ऋषि देवताओं के भी पहले का विचार करते हैं कि 'देवताओं के पहले युग समय में असत् से सत् का जन्म हुआ।' (10.72) यह युग विचारणीय है। तब देवता भी नहीं हैं लेकिन 'समय' है। ऋग्वेद में सत् का अर्थ व्यक्त है और असत् का अव्यक्त। नासदीय सूक्त (10.129) में प्रकृति सृष्टि के सम्बंध में और भी गहन चिन्तन हैं 'तब न सत् था और न असत। आकाश से परे भी कुछ नहीं था-नो व्योमा परो यत। अंधकार था।' यहां अंधकार प्रकाश का अभाव नहीं है। अंधकार का अस्तित्व है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण अस्तित्व 'वह एक' था। ऋषि के अनुसार वह एक-तत् एकं अपनी शक्ति के दम पर वायुहीन दशा में भी प्राण ले रहा था। ऋग्वेद का 'वह एक' सृष्टि के पहले भी है। उस समय जल भी है-अप्रकेत सलिलं। फिर काम उत्पन्न हुआ। इसके बाद प्रकाश की दीप्ति चारों ओर फैल गयी। फिर विसृष्टि हुई।' फिर कहते हैं 'क्या पता ऊंचे आकाशें में बैठा सृष्टि का अध्यक्ष सृष्टि रचना की बात जानता है? या वह भी न जानता? यह विवरण रोमांचक है। यहां शुद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाया गया है। भारतीय दर्शन में असीम आकाश का गुण शब्द है। आकाश का अस्तित्व है। छान्दोग्य उपनिषद् के अनुसार 'सभी भूत आकाश से पैदा होते हैं और आकाश में ही विलीन हो जाते हैं।' आकाश से आना और आकाश में ही लौटना विचारणीय है। ऋग्वेद में ठीक ही आकाश पिता है। ऋग्वेद के पुरूष सूक्त में 'पुरूष' का वर्णन है। यह 'पुरूष' देश-काल की सीमा का अतिक्रमण करता है। उसका सिर आकाश है और सहस्त्रशीर्षा है। इस पुरूष के प्राण का विस्तार वायु है। पुरूष समूचे अस्तित्व को घेरता है। दश अंगुल इसके बाहर भी हैं। संपूर्ण संसार इसका एक चरण है। इसके तीन चरण अन्य लोकों में हैं। यहां जो कुछ चेतन या अचेतन मनुष्य, पशु, कीट, पतिंग, नदी, समुद्र या वन है। पुरूष सब में व्याप्त है। यहां तक हुआ दिक् या दिशा का अतिक्रमण। अब काल। बताते हैं कि यह पुरूष ही सब कुछ है-पुरूष एवेदं सर्वं। जो भूतकाल में हो गया है और जो आगे भविष्य में होगा वह सब पुरूष ही है-यद् भूतं यच्च भव्यं।

ऋग्वेद के एक देवता हैं अदिति। अदिति भी सर्वस्व धारण करते हैं। वह अंतरिक्ष है, पृथ्वी हैं। पिता-माता और पुत्र हैं। वे पांच जन हैं। अब तक जो हो चुका है और जो भविष्य में होगा वह सब अदिति ही हैं। समूचे अस्तित्व को एक देखना और स्वयं को उसी का भाग जानना भारतीय चिंतन की मूल भूमि है। यहां अस्तित्व या सृष्टि का कोई निर्माता नहीं। प्रकृति के गोचर प्रपंच गतिशील हैं। सम्यक गति से प्रगति होती है। प्रकृति का वैज्ञानिक अध्ययन भी मूलतः गति का ही अध्ययन है। प्राचीन यूनानी दार्शनिक थेल्स (लगभग 500 ई0पूर्व) जल को सृष्टि का आदि तत्व मानते थे। इसके हजारों वर्ष पहले ऋग्वेद के नासदीय सूक्त में 'अप्रकेत सलिल'-जल है। जल से सृष्टि का जन्म हुआ तो जल को माता कहना ही चाहिए।

ऋग्वेद में जल को 'बहुवचन रूप में आपः मातरम्-जल माताएं कहा गया है। स्थावर जंगम को जन्म देने वाली यही जल माताएं ही हैं।' थेल्स जल सम्बंधी चिन्तन ऋग्वेद के संगत है। वैसे ऋग्वेद में अनेक विचार हैं। एक यूनानी दार्शनिक अनक्सिमेनेस 'वायु' को सृष्टि का मूल तत्व बताते थे। ऋग्वेद (10.168) में ऋतावा-नियम वायु है। यहां वायु जलों के मित्र कहे गये हैं-अपां सखा। ऋग्वेद के जल और वायु आदि तत्व इसी रूप में उपनिषदों में भी हैं। हिराक्लिटस अग्नि को प्रधान तत्व जानते थे। अग्नि ऋग्वेद के प्रधान देवता हैं। अग्नि सब जगह हैं। वे जलों में हैं। मनुष्य के भीतर हैं। यत्र-तत्र सर्वत्र हैं। कठोपनिषद् में यम ने नचिकेता को अग्नि विज्ञान समझाया था। यहां अग्नि ही प्रत्येक जगह उपस्थित होकर रूप-रूप प्रतिरूप होते हैं-अग्नियर्थैको भुवनं प्रविष्टो रूपं रूपं प्रतिरूपों वभूवाः। जानने और गहराई से देखने-समझने के एकात्म चिंतन की जन्मभूमि भारत ही है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

पत्रकारिता केवल माइक या कैमरे का खेल नहीं, मीडिया साक्षर बने समाज

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

आज डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो चुका है। स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच दे दिया है। एक ओर यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, वहीं दूसरी ओर यह स्थिति कई गंभीर चुनौतियां भी लेकर आई है। विशेषकर तब, जब कुछ लोग मात्र 100-200 रुपये के माइक और कैमरे के सहारे स्वयं को पत्रकार घोषित कर लेते हैं और बिना किसी जिम्मेदारी के सूचनाएं प्रसारित करने लगते हैं। यह समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि उस सोच की है, जो पत्रकारिता को एक जिम्मेदार सामाजिक दायित्व की बजाय व्यूज और लाइक्स के खेल में बदल देती है।

डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता को लोकतांत्रिक बनाया है। अब केवल बड़े मीडिया हाउस ही सूचना के वाहक नहीं रहे, बल्कि आम नागरिक भी घटनाओं को रिकॉर्ड कर समाज के सामने ला सकते हैं। कई बार यही नागरिक पत्रकारिता उन मुद्दों को उजागर करती है, जिन्हें मुख्यधारा का मीडिया नजरअंदाज कर देता है। यह बदलाव लोकतंत्र के लिए शक्ति का स्रोत भी है, क्योंकि इससे आवाजों की विविधता बढ़ती है और सत्ता के हर स्तर पर जवाबदेही की मांग मजबूत होती है। लेकिन यही खुलापन जब बिना जिम्मेदारी के इस्तेमाल होता है, तो यही ताकत कमजोरी में बदल जाती है। आज सोशल मीडिया पर वायरल होना ही सफलता का पैमाना बन गया है। इस दौड़ में कुछ लोग विवाद, सनसनी और अधूरी जानकारी के सहारे लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश करते हैं। वे जानते हैं कि तीखी भाषा, आरोप और उत्तेजना लोगों का ध्यान खींचती है, इसलिए वे तथ्यों की बजाय भावनाओं को उकसाने पर अधिक जोर देते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि समाज में भ्रम फैलता है और सच-झूठ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। लोग बिना पुष्टि किए ही किसी भी सूचना को सच मान लेते हैं, जिससे अफवाहें तेजी से फैलती हैं और उनका प्रभाव गहरा होता जाता है।

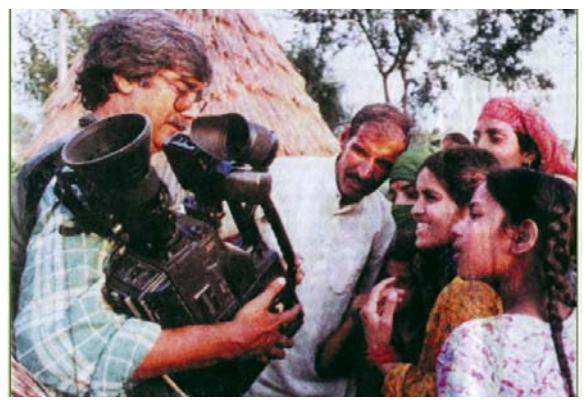

इसका सीधा असर सरकारी संस्थाओं पर भी पड़ता है। सरकारी संस्थाएं किसी भी राष्ट्र की प्रशासनिक रीढ़ होती हैं और उनका उद्देश्य जनसेवा है। यदि उनके बारे में गलत या भ्रामक जानकारी फैलती है, तो जनता का विश्वास कमजोर होता है। यह विश्वास किसी एक खबर से नहीं, बल्कि लगातार फैलती अधूरी या भ्रामक सूचनाओं से धीरे-धीरे क्षीण होता है। परिणामस्वरूप, लोग व्यवस्था पर संदेह करने लगते हैं, जो अनावश्यक टकराव और असंतोष को जन्म दे सकता है। यह भी उतना ही सच है कि सरकारी संस्थाएँ त्रुटिहीन नहीं हैं, लेकिन उनकी कमियों को उजागर करने का तरीका तथ्यपूर्ण और जिम्मेदार होना चाहिए, न कि केवल सनसनी के लिए। हर छोटे माइक वाले व्यक्ति को नकली पत्रकार कहना भी उतना ही गलत है, जितना हर वायरल खबर को सच मान लेना। पत्रकारिता का मूल्य उपकरणों से नहीं, बल्कि दृष्टिकोण, ईमानदारी और जिम्मेदारी से तय होता है। कई बार छोटे और स्वतंत्र पत्रकार ही जमीनी सच्चाई सामने लाते हैं, जबकि बड़े संस्थान भी कभी-कभी दबावों में चूक कर बैठते हैं। इसलिए समस्या को 'छोटे बनाम बड़े' के रूप में देखने के बजाय 'जिम्मेदार बनाम गैर-जिम्मेदार' के रूप में समझना अधिक उचित है। असली संकट पत्रकारिता के मूल्यों में गिरावट का है, जहाँ नैतिकता और तथ्य-जांच की जगह जल्दबाजी और लोकप्रियता ने ले ली है।

समाधान किसी एक कदम में नहीं छिपा है, यह सामूहिक प्रयास से ही संभव है। सबसे पहले समाज को मीडिया साक्षर बनना होगा, ताकि लोग हर सूचना को बिना जांचे-परखे स्वीकार न करें। उन्हें समझना होगा कि किसी खबर की विश्वसनीयता उसके स्रोत, प्रमाण और संदर्भ से तय होती है, न कि उसके वायरल होने से। साथ ही, फर्जी खबर फैलाने वालों पर सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई भी जरूरी है, ताकि यह स्पष्ट संदेश जाए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और भ्रामक कंटेंट पर नियंत्रण के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करना होगा। पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रशिक्षण और नैतिक मानकों की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है। पत्रकार बनने के लिए औपचारिक डिग्री अनिवार्य नहीं हो सकती, लेकिन बुनियादी समझ, तथ्य-जांच की प्रक्रिया और समाज के प्रति जिम्मेदारी का बोध होना आवश्यक है। इसके साथ ही, जो लोग ईमानदारी और संतुलन के साथ काम कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि सकारात्मक उदाहरण स्थापित हो सकें।

आज की सबसे बड़ी आवश्यकता संतुलन की है। न तो हर छोटे पत्रकार को खारिज करना उचित है, और न ही हर खबर पर आंख मूंदकर विश्वास करना। हमें यह स्वीकार करना होगा कि सूचना का यह नया युग अवसर और खतरे दोनों लेकर आया है। इसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसे सही दिशा जरूर दी जा सकती है—और यह दिशा तभी संभव है जब समाज, मीडिया और शासन तीनों अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को समझें।

अंततः पत्रकारिता केवल माइक या कैमरे का खेल नहीं है, बल्कि यह सत्य के प्रति प्रतिबद्धता है। यदि यह प्रतिबद्धता कमजोर पड़ती है, तो पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। सरकारी संस्थाओं की आलोचना जरूरी है, लेकिन वह तथ्य और संतुलन पर आधारित होनी चाहिए। वहीं, समाज को भी यह समझना होगा कि हर आवाज़ को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। असली संघर्ष 'नकली बनाम असली' का नहीं, बल्कि 'सत्य बनाम सनसनी' का है—और इस संघर्ष में वही आगे बढ़ेगा, जो जिम्मेदारी, ईमानदारी और विवेक को अपना आधार बनाएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

दही-चीनी खाने की परंपरा वैज्ञानिक, गट हेल्थ के लिए है फायदेमंद

हमारे घर के बड़े-बुजुर्ग किसी भी शुभ या मांगलिक कार्य के लिए घर से निकलने से पहले दही-चीनी खाने को क्यों कहते थे, इसके पीछे वैज्ञानिक कारण छिपा है। दही-चीनी इसलिए खाया जाता है, क्योंकि दही प्रोबायोटिक्स से भरपूर होता है। इसमें मौजूद अच्छे बैक्टीरिया गट हेल्थ यानी आंतों के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। दही में थोड़ी मात्रा में चीनी मिलाने से इसका स्वाद बेहतर हो जाता है और इस कॉम्बिनेशन को खाने से तुरंत ऊर्जा मिलती है। लेकिन दही में चीनी ज्यादा मात्रा में न मिलाएं, इससे सेहत को मिलने वाले लाभ कम हो सकते हैं।

दही प्राकृतिक रूप से प्रोबायोटिक्स से भरपूर होता है। इसमें मौजूद गुड बैक्टीरिया गट हेल्थ के लिए फायदेमंद होते हैं और होते हैं और पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। दही खाने से पाचन में सुधार होता है। ये पेट के माइक्रोबायोम के संतुलन को बनाए रखने में सहायक है। दही के सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, पेट फूलना और कब्ज जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। ताजा दही का नियमित सेवन पेट के हेल्दी बैक्टीरिया को रिस्टोर करने में मदद कर सकता है, खासकर बीमारी या एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन के बाद दही का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

चीनी क्यों मिलाते हैं: कई घरों में भोजन के दौरान दही के साथ चीनी मिलाकर खाते हैं। कई घरों में शुभ और मांगलिक कार्य के लिए घर से निकलते समय दही-चीनी खाने का रिवाज है। दही में चीनी मिलाने पारंपरिक और व्यावहारिक दोनों कारण हैं, जैसे- दही हल्का खट्टा होता है। चीनी इसके स्वाद को संतुलित करके इसे अधिक स्वादिष्ट बनाती है। चीनी तुरंत ग्लूकोज प्रदान करती है, जिससे तुरंत ऊर्जा मिलती है। यही कारण है कि इसे अक्सर महत्वपूर्ण कार्यों से पहले खाया जाता है।

ठंडक का एहसास- ऐसा माना जाता है कि दही और चीनी का मिश्रण शरीर को ठंडक पहुंचाता है, खासकर गर्मी के मौसम में, इसीलिए दही में चीनी मिलाकर इसका सेवन किया जाता है। दही के साथ ज्यादा चीनी खाने से आंत के बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ सकता है। हानिकारक रोगाणुओं की वृद्धि हो सकती है। वजन बढ़ने और ब्लड शुगर लेवल में अचानक वृद्धि का खतरा बढ़ सकता है। जिन लोगों को तुरंत ऊर्जा की जरूरत है या जिन लोगों को पाचन संबंधी समस्या रहती है, उनके लिए दही-चीनी का सेवन फायदेमंद है। लेकिन जिन्हें डायबिटीज है, जो लोग वजन कम करना चाहते हैं या जिन्हें आंतों में असंतुलन की समस्या है उन्हें दही-चीनी के सेवन से बचना चाहिए। ऐसे लोगों सादा दही खाना चाहिए या फिर दही में शहद, गुड़ या फल जैसे विकल्प मिलाकर खाना चाहिए। ये विकल्प मिठास के साथ-साथ अतिरिक्त पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं।

दही गट हेल्थ के लिए फायदेमंद है, लेकिन इसे खाने का तरीका मायने रखता है। दही में कभी-कभार थोड़ी मात्रा में चीनी मिलाना ठीक है, लेकिन इसे रोजाना बड़ी मात्रा में खाने की आदत न बनाएं। अगर रोज दही खाते हैं तो उसमें चीनी न मिलाएं। चीनी की बजाय सीमित मात्रा में गुड़, शहद या फ्रूट्स मिलाएं।

निशाना

हार किसकी जीत किसकी..!

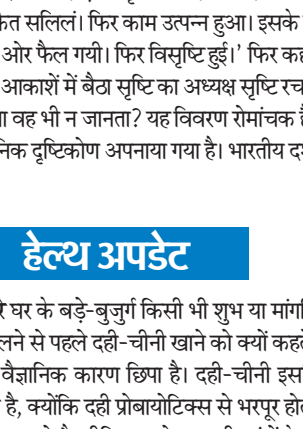

महेश अग्रवाल

हार किसकी और किसकी है फ़तह कुछ सोचिए
जंग है ज़्यादा ज़रूरी या सुलह कुछ सोचिए
यूं बहुत लंबी उड़ानें भर रहा है आदमी
पर कहीं गुम हो गई उसकी सतह कुछ सोचिए
मौन हैं इंसानियत के कत्ल पर इंसाफ - घर
अब कहाँ होगी भला उसपर जिरह कुछ सोचिए
हर जगह सिंहासनों पर है अंधेरों का वजूद
कौन जाने कब यहाँ होगी सुबह कुछ सोचिए
अब कहाँ ढूंढ़ें भला अवशेष हम ईमान के
खो गई संभावना वाली जगह कुछ सोचिए
दे न पाएं रोटियाँ बारूद पर खर्चा करें
या खुदा अब बंद हो ऐसी कलह कुछ सोचिए
आदमी 'इंसान' बनकर रह नहीं पाया यहाँ
क्या तलाशी जाएगी इसकी वजह कुछ सोचिए।

AI अपडेट

चीन में फैसला, एआई की वजह से नहीं जाएगी नौकरी, भारत भी ले सकता है सीख!

जब से AI अस्तित्व में आया है, तब से यह डर लगातार बढ़ता जा रहा है कि यह लोगों की नौकरी खा जाएगा। हर नए मॉडल और वर्जन के साथ यह डर और भी ज्यादा गंभीर होता जाता है। हालांकि चीन ने इस डर पर लाल लकीर खींची है। दरअसल चीन के हांगझू शहर की एक अदालत ने इस पर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। चीन में एक कंपनी ने अपने कर्मचारी को यह कहकर कम सैलरी वाला दूसरा काम दे दिया था कि AI उसका मुख्य काम संभाव रहा है।

जब मामला कोर्ट में गया, तो कोर्ट ने कंपनी के तर्क को खारिज कर दिया। चीनी कोर्ट ने ऐसा फैसला दिया है, जो AI के दौर में भी कर्मचारियों के अधिकार सुरक्षित रखता है। कोर्ट का मत है कि AI को अपनाना कंपनी का निजी फैसला है और न कि ऐसी कोई आपदा जिससे किसी को काम से निकाला जाए। चीनी कोर्ट ने साफ किया है कि AI ऑटोमेशन का मतलब यह नहीं हो सकता कि इंसान की जरूरत पूरी तरह खत्म हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन में सामने आया मामला क्वालिटी एश्योरेंस सुपरवाइजर का है। इस शख्स की सैलरी 25,000 युआन थी। कंपनी ने AI अपग्रेड का हवाला देकर शख्स को कम सैलरी वाला काम ऑफर किया था। कर्मचारी के मना करने पर उसे काम से निकाल दिया गया। इस पर वह शख्स कंपनी को कोर्ट ले गया। रिपोर्ट्स के अनुसार कोर्ट ने माना कि AI कंपनी की मजबूरी नहीं है, जिसके चलते नौकरी खत्म करना जरूरी हो। कोर्ट के अनुसार इसे कंपनी के शटडाउन या विलय की तरह नहीं देखा जा सकता है। कोर्ट ने आदेश दिया कि सिर्फ AI का बहाना देकर किसी की नौकरी नहीं छीनी जा सकती। अभी तक यह आम मत था कि किसी कंपनी को अगर लगता है कि AI की मदद से काम बेहतर तरीके से हो सकता है, तो वे इंसानों को काम से निकाल सकती है या उनकी सैलरी कम कर सकती है। हालांकि, हांगझू की अदालत ने इस सोच को चुनौती दी है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कोर्ट ने कहा कि अगर कंपनी किसी को दूसरी भूमिका में भेजती है, तो इसकी जायज वजह होनी चाहिए। इसके अलावा कोर्ट ने सैलरी में 40% की भारी कटौती और पद का दर्जा गिराना भी उचित नहीं माना है। इस फैसले के बाद कंपनियों को साबित करना होगा कि जिस पद से लोगों को हटाया जाएगा, उसे बनाए रखने की कोई वजह नहीं थी। चीनी कोर्ट का यह फैसला AI के उस डर को खत्म करता है, जिसे लोग अपनी नौकरी के लिए खतरा मान रहे थे। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस फैसले को सिर्फ चीन तक सीमित करने नहीं देखना चाहिए। भारत समेत, अमेरिका और यूरोप में भी AI की वजह से नौकरियों पर बहस चल रही है। बावजूद इसके इसे लेकर कोई कानून नहीं बना है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि चीनी अदालत का फैसला एक 'टेंप्लेट' की तरह काम कर सकता है, जो दुनिया भर के नीति-निर्माताओं को बताता है कि तकनीक के बदलाव को नियंत्रित करना जरूरी है।

रिपोर्ट्स के अनुसार AI आने वाले समय में कई फील्ड की नौकरियों के लिए खतरा बनेगा। ऐसे में विकसित होती तकनीक लोगों के काम के लिए खतरा नहीं बननी चाहिए।

अजब - गजब

मौत के बाद भी जिंदा रही मोहब्बत बहन की हड्डियों से बना दी विंड चाइम

सोचिए... आधी रात हो, चारों तरफ गहरा सन्नाटा पसरा हो और अचानक आपकी बालकनी से किसी चीज के टकराने की खनक सुनाई दे. आमतौर पर ऐसी आवाज किसी को भी डरा सकती है। लेकिन डेनवर की रहने वाली 43 साल की एरिन मेरेली लिए यही आवाज डर नहीं, बल्कि सुकून का सबसे प्यारा अहसास बन चुकी है। यह कोई साधारण खनक नहीं, बल्कि उनकी बहन की यादों की वो धुन है, जो हर हवा के झोंके के सात लौट आती है।

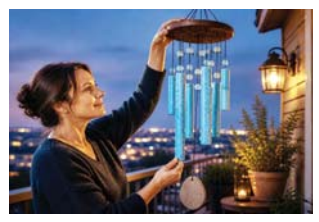

दरअसल, एरिन की बहन ने जिंदगी के आखिरी पलों में एक ऐसी इच्छा जताई, जिसे सुनकर कोई भी हैरान रह जाए। उसने कहा- 'मुझे दफनाना मत, मुझे एक नीली विंड चाइम बना देना।' यह बात किसी फिल्मी सीन जैसी लगती है, लेकिन एरिन के लिए यह सिर्फ एक इच्छा नहीं, बल्कि अपनी बहन से किया गया वादा था। उन्होंने इस वादे को पूरी सच्चाई और भावना के साथ निभाय। आज उनकी बालकनी में टंगी वह नीली विंड चाइम सिर्फ एक सजावट नहीं, बल्कि एक ऐसा रिश्ता है, जो मौत के बाद भी जिंदा है।

'जल दाह संस्कार' - एक अनोखा तरीका: इस पूरी कहानी के पीछे एक खास वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे 'अल्कलाइन हाइड्रोलिसिस कहा जाता है। इसे आम भाषा में 'जल दाह संस्कार' भी कहा जाता है. इस प्रक्रिया में शरीर को पानी और कुछ विशेष रसायनों के साथ रखा जाता है, जिससे शरीर धीरे-धीरे टूटकर तरल रूप में बदल जाता है। इस तरल को पौधों में मिलाया जाता है, ताकि जीवन किसी नए रूप में फिर से जन्म ले सके। जो हड्डियां बचती हैं, उन्हें सुखाकर महीन पाउडर में बदला जाता है। यही पाउडर आगे चलकर उस अनोखी विंड चाइम को बनाने के इस्तेमाल में आता है।

एरिन ने एक कलाकार की मदद ली और अपनी बहन की अस्थियों को एक खूबसूरत आकार देने का फैसला किया। उस पाउडर को सांचे में ढाला गया और उसमें हल्का नीला रंग मिलाया गया ठीक वैसा, जैसा उनकी बहन को पसंद था। धीरे-धीरे वह साधारण-सा पाउडर एक बेहद खास विंड चाइम में बदल गया। अब जब भी हवा चलती है, तो उसकी मधुर खनक एरिन के दिल में एक अजीब-सी शांति भर देती है। उन्हें लगता है जैसे उनकी बहन उनसे बात कर रही हो, उनके पास ही कहीं मौजूद हो। एरिन पेशे से 'डेथ एजुकेटर' हैं। वह लोगों को यह समझाती हैं कि किसी अपने को खोने के बाद दुख को कैसे संभाला जाए और उसे स्वीकार किया जाए। उनका मानना है कि विदाई सिर्फ परंपराओं तक सीमित नहीं होनी चाहिए। हर इंसान अपने तरीके से अपने दिल के करीब लोगों को याद रख सकता है। उनकी बालकनी में टंगी यह विंड चाइम इसी सोच का एक खूबसूरत उदाहरण हो। . कुछ लोग इसे अजीब मानते हैं, लेकिन एरिन के लिए यह उनकी बहन के साथ जुड़ा सबसे गहरा और सच्चा रिश्ता है. दुनिया में लोग अपने प्रियजनों को अलग-अलग तरीकों से विदा करते हैं।

न्यूज विंडो

शराब दुकान खोलने का स्थानीय लोगों ने किया कड़ा विरोध

नरसिंहपुर। जिला मुख्यालय के अष्टांग चिकित्सालय चौराहे पर शराब दुकान खोलने की तैयारी का स्थानीय लोगों ने कड़ा विरोध किया है। बताया गया है कि ठेका कर्मी एक दुकान में शराब बिक्री शुरू करने की तैयारी कर रहे थे। इसकी जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में रहवासी मौके पर पहुंच गए और एकजुट होकर विरोध जताया। रहवासियों का कहना है कि यह चौराहा शहर का बेहद व्यस्त और घनी आबादी वाला क्षेत्र है। यहां कई दुकानें और व्यवसाय चल रहे हैं। साथ ही करीब 100 मीटर के दायरे में स्कूल, मंदिर और साप्ताहिक बाजार भी लगता है, जिससे दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में यदि यहां शराब दुकान खुलेगी तो क्षेत्र का वातावरण खराब होगा।

बच्चे को खेलने के दौरान दिखा शिशु भ्रूण, जांच में जुटी पुलिस

मंडला। जिले के नैनपुर नगर में एक नाली से शिशु का भ्रूण मिला। वार्ड क्रमांक 10 में खेलते बच्चों ने इसे खिलौना समझा था। बच्चों ने जब इसे बाहर निकाला, तब आसपास मौजूद लोगों ने पहचान की कि यह एक शिशु का भ्रूण है। सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। नैनपुर पुलिस को मौके पर पहुंची और आवश्यक पंचनामा कार्रवाई पूरी की। भ्रूण को नैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण और पोस्टमॉर्टम किया। डॉक्टरों के अनुसार, भ्रूण लगभग 3 माह का था। पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई कर अंतिम संस्कार भी कराया।

हादसे को दावत देता बर्री घाट पुल, रेलिंग हुई गायब

गंजबासौदा। जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते बेतवा बर्री घाट पुल अब हादसों का इंतजार करता नजर आ रहा है। पुल की रेलिंग लगातार गायब हो रही है, तो कई जगह टूटी हुई है। लेकिन इसे सुधारने की दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। हालात ऐसे हैं कि जरा सी चूक कभी भी बड़े हादसे में बदल सकती है। पुल के कई हिस्सों में रेलिंग पूरी तरह से नदारद है, जिससे तेज रफ्तार वाहनों के अनियंत्रित होने पर सीधे नीचे गिरने का खतरा बना हुआ है। खासकर रात के अंधेरे और खराब मौसम में जहां हर गुजरने वाला व्यक्ति जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर है। वहीं इस समय मौसम भी आंधी तूफान का हो रहा। लोगों का कहना है कि कभी कभी इतनी तेज हवा चलती है कि पुल पर वाहन चलाना बड़ा ही मुश्किल होता है डर बना रहता है कि कहीं हवा से वाहन अनियंत्रित होकर नदी में न गिर जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार विभाग आंख मूंदे बैठा है। अगर समय रहते रेलिंग नहीं लगाई गई तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। जल्द से जल्द पुल की मरम्मत कर सुरक्षा इंतजाम किए जाएं, अन्यथा किसी अनहोनी की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

सीएमओ ने किया जनगणना के मास्टर ट्रेनर, सुपरवाइजर और प्रगणक का सम्मान

सिरोंज। जनगणना 2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण कार्यक्रम के तहत वार्ड 2 के एचएलबी में प्रगणकों ने अपने मोबाइल एप के माध्यम से मकान नंबर एवं मकान सूचीकरण से संबंधित एप पर कार्यक्रम अनुसार जानकारी भरना शुरू कर दिया है। इस कार्य में जुटे सर्कल 2 के सुपरवाइजर मनोज शर्मा और प्रगणक करणसिंह विष्वकर्मा सहित अन्य कर्मचारियों का नपा सीएमओ ने सम्मान किया। नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने नागरिकों को बताया कि प्रगणक आपके भवन पर आएंगे तो उन्हें अपने भवन एवं उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित सही-सही जानकारियां प्रदान करें। जिससे की भारत सरकार को जनगणना संबंधी सटिक जानकरियां प्राप्त हो सके। प्रगणक भी मोबाइल एप के माध्यम से मकान सूचीकरण की जानकारी सावधानीपूर्वक भरे। पहले दिन 20 मकानों के सूचीकरण का कार्य करने का लक्ष्य रखा गया। इसके बाद इस डाटा को सावधानीपूर्वक मोबाइल एप के माध्यम से सुपरवाइजर को सिंक करना है। मास्टर ट्रेनर मनोज शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण में जो भी जानकारियां दी गई हैं। प्रगणक उसका विशेष तौर पर ध्यान रखें।

यातायात पुलिस सड़कों पर सक्रिय और नपा अमला खानापूर्ति करने में व्यस्त

सड़क पर मवेशी और वाहनों की लंबी कतार से लग रहा जाम, राहगीर हो रहे हैं परेशान

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

व्यवस्था की बदहाली बताती ये तस्वीर शहर के मध्य में स्थित कहारा बाजार और तलैया मोहल्ले की मोड़ की है। यहां स्थित नन्ही बी मस्जिद के समीप यह मोड़ है और इस मोड़ पर सुबह से शाम तक दर्जनों बार ऐसे हालात बनते हैं। कहारा बाजार, बोहरबाड़ी और तलैया मोहल्ला तरफ से आने वाले वाहन इस मोड़ पर आकर थम जाते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है यहां पर पल-पल में जगने वाला जाम। इस जाम की वजह है कि जनता की मनमानी और प्रशासनिक लापरवाही जनता की मनमानी ऐसी है कि जिसकी जहां मर्जी हुई वहां पर निर्माण कार्य कर लिया और फिर वही निर्माण आवागमन में बाधा बन गया। प्रशासनिक लापरवाही इस कदर हावी है कि जिम्मेदारों को जनता की मनमानी दिखाई ही नहीं देती। जिसकी जहां मर्जी होती हैं। वह बेलगाम होकर निर्माण कार्य करता है। फिर चाहे इस निर्माण के कारण लोग कितने ही परेशान होते रहे। उसे इससे मतलब ही नहीं होता। नन्ही बी मस्जिद के समीप स्थित मोड़ की भी यही कहानी है। इस मोड़ के आसपास भी लोगों ने इसी मनमानी भरे निर्माण कार्य किए है। रही-सही कसर सड़क पर बेखौफ घूमने वाले पशु पूरी कर देते हैं। तस्वीर में कतारबद्ध दिखाई दे रहे कतारबद्ध 6 पशु और उनके पास लगी वाहनो की कतार यातायात बदहाली की हकीकत खुद बयां कर रही हैं।

बाजार की गलियों में पैदल चलना भी मुश्किल

मकान मालिकों और दुकानदानों की मनमानी का आलम यह है कि कहारा बाजार, पटवा टोला, भूतेश्वर पथ और छिपेटी बाजार जैसे गलियों में स्थित बाजार की सड़कों पर पैदल चलना भी दूभर हो गया है। इन सड़कों पर पहले तो मकान मालिकों ने सड़क तक आकर निर्माण कार्य कर लिया है। इसके बाद रही-सही कसर दुकानदार पूरी कर देते हैं। वे सड़क पर सामान रख सामान बेचते हैं। जिससे वाहन निकलना तो दूर पैदल राहगीर ही बमुष्किल निकल पाते हैं। कहारा बाजार की सड़क तो 5 मीटर चौड़ी है। बावजूद इसके इस सड़क पर दुकानदारों के अवैध कब्जे के कारण सुलभ आवागमन मुश्किल रहता है।

मुख्य बाजार में भी है यही हाल

यातायात पुलिस का ध्यान केवल शहर के बाहरी हिस्से में हाइवे पर स्थित सड़कों से निकलने वाले वाहनों की आवागमन पर ही रहता है। यातायात पुलिस लगभग हर दिन इन सड़कों पर ही एक्टीव रहती है और अनेक वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई करती है। पुलिस का ध्यान शहर के भीतरी हिस्से में वाहन चालकों की मनमानी और लगातार वाहन दौड़ा रहे नाबालिग वाहन चालकों पर नहीं रहती। जिसका खामियाजा हर दिन शहरवासी भुगत रहे हैं। ऐसे ही हाल नगर पालिका प्रबंधन के हैं। नपा का अमला भी अवैध निर्माण के नाम पर खानापूर्ति भरी कार्रवाई करता है। इस खानापूर्ति को नुकसान शहरवासी उठा रहे हैं। खास बात ये है ये दुकानदार सड़कों पर गंदगी भी करते हैं लेकिन नपा स्वच्छता अमला कार्रवाई करने से बचता है। नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि हम लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। अवैध निर्माण और दुकानदारों के अवैध कब्जे को लेकर हम लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। शहर के भीतरी हिस्से में स्थित बाजारों में भी जल्द ही हमारा अमला पहुंचेगा।

आधी रात को पकड़ी 40 पेटी शराब तस्करी में प्रयुक्त कार भी की जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

गंधवानी पुलिस ने देर रात्रि में गश्त के दौरान एक इनोवा कार से अवैध शराब को जब्त किया है, जब्त शराब और वाहन की कुल कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। जानकारी के अनुसार देर रात्रि में गंधवानी पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली कि मंडी की ओर से एक सफेद रंग की इनोवा कार क्रमांक जीजे 16 एए 3803 भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर पुराने पुल रोड की तरफ आ रही है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए मार्ग पर घेराबंदी की। पुलिस टीम देख शराब तस्कर मछली बाजार के पास वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गया। पुलिस ने जब संदिग्ध वाहन की तलाशी ली, तो उसमें से 40 पेटी गोवा व्हिस्की बरामद हुई। जिसकी कीमत 2 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने मौके से इनोवा कार को जब्त किया है। गंधवानी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 166/2026 के तहत आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस वाहन के नंबर के आधार पर मालिक और फरार ड्राइवर की तलाश में जुटी है।

गुमशुदा महिला के पति से 65 हजार रुपए करवाए खर्च

पत्नी ढूंढने के बहाने पुलिस ने कर डाली गोवा ट्रिप

सतना। दोपहर मेट्रो

जिले में खाकी वर्दी की शर्मसार कर देने वाली करतूत का मामला सामने आया है। यहां पीड़ित शख्स की पत्नी को तलाशने के नाम पर पुलिस ने गोवा ट्रिप कर डाली। खास बात ये है कि, ट्रिप का खर्च भी पुलिसकर्मियों ने पीड़ित पति से ही वसूल लिया। बताया जा रहा है कि, गुमशुदा महिला के पति से 65 हजार रुपए भी खर्च करवाए गए हैं। मामला तब उजागर हुआ जब पुलिसकर्मियों का दोबारा गोवा घूमने का मन किया और उन्होंने पति पर टिकट बुक करने का दबाव बनाया।

बताया जा रहा है कि, ये पूरा मामला जिले के सिविल लाइन थाना इलाके का है, जहां एक शख्स ने हालही में अपनी पत्नी की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई थी। पीड़िता ने बताया कि, बीते 11 मार्च से पत्नी का कहीं कोई सुराग नहीं लग रहा है। अपने स्तर पर पत्नी को हर मुम्किन जगह तलाशने के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं मिला तो पीड़ित शख्स ने

शिकायत दर्ज कराते हुए पत्नी को तलाशने के लिए पुलिस से मदद की गुहार लगाई। लेकिन, कुछ पुलिसकर्मियों ने इस केस को छुट्टियां मनाने का जरिया बना लिया। आरोप है कि, उन्होंने पीड़ित शख्स से इस केस में गोवा कनेक्शन जोड़ दिया और बताया कि, उसकी पत्नी की लोकेशन गोवा में मिली है।

इसके बाद पुलिस ने महिला को तलाशने की आड़ में गोवा यात्रा का खेल शुरू कर दिया। इसका पूरा खर्च उन्होंने पीड़ित पति से ही वसूल किया। पीड़ित का आरोप है किये खर्ज करीब 65 हजार रुपए हुआ है। लेकिन इन सबके बाद भी युवक को उसकी पत्नी के बारे में कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस टीम के गोवा से लौटने के बाद फरियादी शख्स कई बार पुलिसकर्मियों से पत्नी के संबंध में पूछने का प्रयास करता रहा, पर संबंधित पुलिसकर्मियों ने उसे कोई जवाब नहीं दिया बताया जा रहा है कि, पुलिसकर्मियों का एक बार फिर गोवा घूमने का मन कर गया, जिसके बाद उन्होंने एक बार फिर पत्नी की लोकेशन गोवा में मिलने का हवाला देते हुए पीड़ित पर फिर से टिकट बुक करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। पीड़ित के आरोप के अनुसार, उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि, अगर पत्नी को ढूंढना चाहते हो तो पैसे खर्च करने होंगे। पुलिसकर्मियों की बातें संदेहास्पद लगने पर पीड़ित पति ने इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर कर दी। हालांकि, कहा ये जा रहा है कि, अब तक उसपर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। पीड़ित ने बताया कि, उसके तीन बच्चे हैं। सबसे छोटा बेटा 3 साल का है। पत्नी के लापता होने के बाद से वो बेहद परेशान है और थाने के चक्कर काट रहा है।

योग शिविर को लेकर बैठक , 15 से मानस भवन में होगा आयोजन

स्वस्थ जीवन सबसे बड़ा धन है : तिवारी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

स्वयं स्वस्थ बनो अभियान समिति एवं रक्त सेवा समिति की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी योग शिविर को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में समिति के कार्यकारिणी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि 15 मई से 24 मई तक स्थानीय मानस भवन में योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर को सफल बनाने के लिए सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव रखे और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि शिविर में महिला और पुरुष दोनों वर्गों की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग योग से जुड़कर स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर हो सकें।

बैठक में रक्त सेवा समिति के संस्थापक राजेश तिवारी, अध्यक्ष राकेश जैन, उपाध्यक्ष परवेज फजलानी एवं ओमप्रकाश जैन, सचिव अनिल दुबे, कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी, कार्यकारी अध्यक्ष (महिला शाखा) विद्या यादव, सचिव रेहाना फजलानी, संरक्षक प्रमिला तिवारी, मीनेश यादव, महेंद्र सिंह रघुवंशी, राजेंद्र गौर, मोहित समैया, अनुराग जैन, जगपाल सिंह, लखपत सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समिति ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि पहला सुख निरोगी काया को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ें और योग शिविर में भाग लेकर अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाएं।

कलेक्टर की कमान राजीव रंजन को सचिन शर्मा होंगे नए पुलिस कप्तान

धार। दोपहर मेट्रो

प्रशासनिक स्तर पर किए गए बड़े फेरबदल के बाद अब धार जिले को नई नेतृत्वकारी टीम मिलने जा रही है। जिले के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक दोनों ही पदों पर नए अधिकारियों की नियुक्ति हो गई है। जहां राजीव रंजन मीना जिले के नए कलेक्टर होंगे, वहीं केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे सचिन शर्मा धार के नए पुलिस अधीक्षक की कमान संभालेंगे। धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा का स्थानांतरण भोपाल कर दिया गया था। उनके स्थान पर शासन ने राजीव रंजन मीणा को धार की जिम्मेदारी सौंपी है। श्री मीना के पास प्रशासनिक कार्यों का लंबा अनुभव है, और अब जिले के विकास कार्यों को गति देने का जिम्मा उनके कंधों पर होगा, हालांकि पश्चिम बंगाल चुनाव में आबर्जवर बनाएं जाने के कारण उन्होंने अभी ज्वाइन नही

किया है। पुलिस विभाग में हुए बदलाव के तहत सचिन शर्मा को धार का नया एसपी नियुक्त किया गया है। श्री शर्मा हाल ही में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे हैं। अपनी कार्यकुशलता और अपराध नियंत्रण के लिए पहचाने जाने वाले सचिन शर्मा के आने से जिले की पुलिसिंग व्यवस्था में नई ऊर्जा आने की उम्मीद है। धार के निवर्तमान एसपी मयंक अवस्थी का तबादला प्रदेश के सबसे बड़े औद्योगिक केंद्र इंदौर में कर दिया गया है। उन्हें इंदौर में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था, नगरीय क्षेत्र के महत्वपूर्ण पद पर पदस्थ किया गया है।

मेट्रो एंकर छतरपुर में पेटी ठेकेदारों के भरोसे गेहूं उपार्जन, न पर्याप्त ट्रक मिले न मजदूर

खुले आसमान के नीचे भीगकर बर्बाद हुआ अन्नदाता का सोना

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में किसान के हाड़तोड़ परिश्रम और पसीने की कमाई जब फसल बनकर तैयार होती है, तो उसे उम्मीद होती है कि सरकारी मंडी में उसकी उपज सुरक्षित रहेगी। लेकिन छतरपुर जिले में इस बार अन्नदाता की उम्मीदें सरकारी कुप्रबंधन और परिवहन की कछुआ चाल की भेंट चढ़ गई हैं। जिले के उपार्जन केंद्रों पर वर्तमान में जो हालात हैं, वे न केवल चिंताजनक हैं बल्कि सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और घोर लापरवाही की ओर इशारा कर रहे हैं।

इस पूरी तबाही के पीछे परिवहन व्यवस्था का एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। नियमानुसार, तौल के तुरंत बाद अनाज को ट्रकों के जरिए वेयरहाउस में शिफ्ट किया जाना चाहिए। जिले में परिवहन का मुख्य ठेका भोपाल की सुनील महेश्वरी रोड लाइन्स के पास है। सूत्रों के अनुसार, मुख्य ठेकेदार स्वयं धरातल पर काम करने के बजाय गैर-अधिकृत रूप से पेटी ठेकेदारों (सब-कॉन्ट्रैक्टर) के भरोसे पूरी व्यवस्था चला रहा है। इन पेटी ठेकेदारों के पास न तो अनाज उठाने के लिए पर्याप्त ट्रक हैं और न ही लोडिंग के लिए आवश्यक श्रमिक। संसाधनों के

इसी टोटे के कारण केंद्रों पर अनाज का उठाव नहीं हो पा रहा है और गेहूं का अंबार क्षमता से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। पिछले दो दिनों से छतरपुर में मौसम ने करवट ली है। आंधी-तूफान के साथ हुई बेमौसम बारिश ने उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाओं को तार-तार कर दिया है। ढड़ारी, बमीठा, बसारी, घुवारा और बड़ामलहरा जैसे प्रमुख केंद्रों पर खुले आसमान के नीचे रखा लगभग 20 हजार क्विंटल गेहूं बारिश में पूरी तरह भीग चुका है। विडंबना यह है कि जो अनाज तुल चुका था, वह तो भीगा ही, साथ ही उन किसानों की फसल भी तबाह हो गई जो घंटों से ट्रैक्टर ट्रॉलियों में अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। चूंकि तौल से पहले का नुकसान सरकारी रिकॉर्ड में नहीं आता, इसलिए गरीब किसान अब अपनी किस्मत पर रोने को मजबूर है। महज तीन दिन पहले छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बैठक लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे कि केंद्रों का भ्रमण कर उठाव की समस्याओं को तुरंत दूर किया जाए। लेकिन जमीनी हकीकत बताती है कि कलेक्टर के निर्देश केवल हवा-हवाई साबित हुए। न तो परिवहन ठेकेदार पर लगाम कसी गई और न ही अनाज को सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम हुए। जब मुख्यमंत्री स्वयं 9 मई तक स्लॉट बुकिंग बढ़ाने की बात कर रहे हैं, तब पोर्टल की गड़बड़ी और मैदानी स्तर पर परिवहन का न होना प्रशासनिक विफलता का प्रमाण है।भविष्य पर संकट- भरोसे और राजस्व का नुकसानजिले में इस सीजन में 10 लाख क्विंटल गेहूं खरीदी का लक्ष्य है, जिसमें से अब तक लगभग 3.5 लाख क्विंटल की ही खरीदी हो पाई है। यदि परिवहन का यही ढर्रा रहा, तो आने वाले दिनों में और भी बड़े पैमाने पर अनाज बर्बाद होगा। भीगा हुआ अनाज जब ट्रकों में भरकर जबरन गोदामों में ठूंसा जाएगा, तो वह कुछ ही समय में सड़ जाएगा। यह न केवल किसान के साथ धोखा है, बल्कि आम जनता के टैक्स के पैसे की भी भारी बर्बादी है।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में जल्द होगी चीतों की शिफ्टिंग, तेजतर्रार शिकारी से डील करने की देंगे ट्रैनिंग

चीतों के गृहप्रवेश की फुल ट्रेनिंग, जंगल के शिकारी के मिजाज पर नया क्रेश कोर्स

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

चीतों के तीसरे घर वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीतों के आगमन को लेकर तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं. चीतों के लिए जो निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, वो तो अलग बात है. लेकिन पहली बार चीतों से रूबरू होने जा रहे इस इलाके के लोगों को चीता, चीते के स्वभाव की जानकारियां देने के लिए टाइगर रिजर्व प्रबंधन चीता चौपाल लगाने जा रहा है इसके लिए बाकायदा टाइगर रिजर्व के मैदानी अमले को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

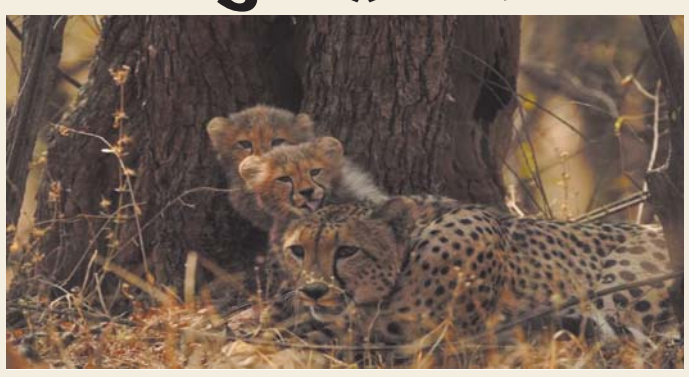

इस प्रशिक्षण के बाद ये वनकर्मी टाइगर रिजर्व से जुड़े 150 गांव में चीता चौपाल लगाएंगे और लोगों को चीते के बारे में समझाएंगे। चीते के व्यवहार, चीतों से जंगल को होने वाले फायदे, चीतों के कारण पर्यटन व्यवसाय बढ़ने से मिलने वाले रोजगार की जानकारी देंगे। वनकर्मियों की ड्यूटी अलग तरह की होती है। उनका ज्यादातर वक्त जंगल में गुजरता है और रहवासी इलाकों से कम संपर्क होता है। ऐसे में कई बार वनकर्मियों और आम लोगों के बीच संवादहीनता की स्थिति बन जाती है. जो वनकर्मियों और आम जनता के लिए परेशानी का कारण बनती है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि आमतौर पर वनकर्मी और खासकर फ्रंटलाइन स्टाफ फारेस्ट गार्ड, फारेस्टर या सुरक्षा श्रमिक होते हैं. इनका काम पेट्रोलिंग करना, आब्जर्वेशन और फिर जंगल में होने वाले विकास कार्य करवाना होता है जंगल में रहने के कारण आम लोगों के साथ उनका संपर्क कम हो जाता है, लेकिन जैसे-जैसे समाज में बातपरिस्थितियां बदल रही है। टाइगर रिजर्व में वो चुनौतयां तो नहीं आयी, लेकिन मध्य प्रदेश के दूसरे वन क्षेत्रों में देखने मिलता है कि वन्यप्राणी कई बार ग्रामीण इलाकों में रहवासी क्षेत्रों में निकल जाते हैं। ऐसे में वहां मानव द्वंद्व की परिस्थितियां बनती है। ऐसे में हमें लगता है कि समुदाय के लोगों को वन और वन्यप्राणियों से जुड़े विषयों पर जागरूक करना और अपने साथ लाना है. तो इन सब चीजों के लिए हमें बेहतर संवाद स्थापित करने की जरूरत है।

पब्लिक स्पीकिंग के लिए प्रशिक्षण

टाइगर रिजर्व में इसी सोच को ध्यान रखते हुए वनरक्षक, डिप्टी रेंजर और सुरक्षा श्रमिकों को पब्लिक स्पीकिंग की ट्रैनिंग शुरू की गयी है. इसके लिए दो हफ्ते पहले एक प्रशिक्षण स्तर शुरू किया था, जिसमें भोपाल से स्पेशलिस्ट और पेंच टाइगर रिजर्व के कुछ वन्यकर्मियों को बुलाया गया था। पूरे दिन में बताया गया कि कैसे गांव के बच्चे, लोगों और महिलाओं से बात करें वनों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों को कैसे समझाएं, वैज्ञानिक तथ्यों को कैसे सरल भाषा में बताएं। इन सारी चीजों को बताने के बाद हमारे 42 कर्मचारियों ने खुद प्रजेंटेशन दिया। इसका उद्देश्य यहीं था कि लोगों और वनकर्मियों के बीच संवाद स्थापित करना, वैज्ञानिक विषयों में उनकी पकड़ मजबूत बनाना है। हमारे यहां जल्द चीते आने वाले हैं और उसको लेकर लोगों को बहुत सारी भ्रांतियां है, उनको दूर करें। उसके लिए उन कर्मचारियों को जिनका संवाद कौशल बेहतर है, उनको मैदान में उतारा जाएगा। टाइगर रिजर्व में जुलाई माह में आने वाले चीतों को लेकर तैयारियां चल रही है। इसे ध्यान रखते हुए प्रबंधन ने चीता चौपाल की परिकल्पना की है। मई माह के मध्य से ये चौपाल शुरू करने का विचार है। प्रबंधन की तैयारी है कि एक दिन में पांच गांव में चीता चौपाल लगाएं और करीब एक माह के भीतर सभी 150 गांवों में चीता चौपाल लगाएंगे।

न्यूज विंडो

आदिगुरु शंकराचार्य जयंती पखवाड़ा अंतर्गत व्याख्यान माला का आयोजन

तेंदूखेड़ा। म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा आदिगुरु शंकराचार्य जयंती पखवाड़ा के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय व्याख्यान माला संवाद योजना का आयोजन शास. उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल तेंदूखेड़ा में किया गया। कार्यक्रम में सीएमसीएलडी के छात्र-छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में आरुष किड्स अकेडमी हायर सेकण्डरी स्कूल के प्राचार्य कपिल गोटिया उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में भारतीय संस्कृति, रीति-रिवाज एवं परंपराओं से जुड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव को समाप्त करने की बात रखते हुए भगवान श्री रामचंद्र जी के जीवन से उदाहरण प्रस्तुत किया कि उन्होंने कभी किसी के साथ जाति के आधार पर भेदभाव नहीं किया। और आदि गुरु शंकराचार्य के विचारों को जन-जन तक पहुंचने का समस्त छात्राओं व समस्त परामर्शदाताओं ने संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक दीपचंद मालवीय द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन आशीष रेकवार एवं अंत में आभार प्रदर्शन धर्मदास पाल द्वारा किया गया। है कार्यक्रम में सीएमसीएलडी कोर्स परामर्श दाता दीपेश कटारे , जितेन्द्र विश्वकर्मा, संदीप साहू छात्र, राजेश सिंह, संतोष सिंह, उमाकांत राय, प्रेमलता विश्वकर्मा, कुमकुम असाटी व छात्र छात्राएं सम्मलित हुए।

लापता हुई नाबालिग पुलिस को 18 दिन बाद बदनावर से मिली

उज्जैन। जिले के बड़नगर थाना क्षेत्र से लापता हुई 16 वर्षीय नाबालिग को पुलिस ने 18 दिन बाद बदनावर से ढूंढ निकाला है। परिजनों ने 14 अप्रैल 2026 को बड़नगर थाने में बेटी के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। नाबालिग के लापता होने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया। तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने बालिका के मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल्स और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस ने संभावित ठिकानों पर दबिश दी और मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया। जिसके बाद नाबालिक को तलाश लिया गया है।

किसान न्याय सत्याग्रह: यूएस ट्रेड डील को रद्द करने की मांग पर अड़े

कटनी। जिला युवा कांग्रेस का किसान न्याय सत्याग्रह केंद्र सरकार की यूएस ट्रेड डील और क्षेत्र में व्याप्त बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर पांचवें दिन भी जारी रहा। आज सत्याग्रह का छठवां दिन है। यह सत्याग्रह कटनी के बड़वारा मुख्यालय स्थित परमानंद तिराहे में आयोजित किया जा रहा है। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और प्रदेश अध्यक्ष यश घघोरिया के आह्वान पर यह प्रदर्शन 29 अप्रैल को शुरू हुआ था। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहम्मद इसराइल के नेतृत्व में कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ सत्याग्रह में बैठे हैं और यूएस ट्रेड डील को रद्द करने की मांग पर अड़े हुए हैं।

तहसील कार्यालय के सामने खड़ी एक एक्टिवा में लगी अचानक आग

छिंदवाड़ा। जिले की सौसर में तहसील कार्यालय के सामने मुख्य सड़क पर खड़ी एक एक्टिवा में आज सोमवार सुबह 7 बजे को अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया और कुछ ही देर में स्कूटर जलकर खाक हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना अचानक हुई, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग काफी फैल चुकी थी। स्थानीय लोगों और लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

सिर्फ नाम का इंटरनेशनल, लापरवाही ने बच्चों को पहुंचा दिया था अस्पताल

धार के इंटरनेशनल स्विमिंग पूल हादसे में 13 दिन बाद कार्रवाई, संचालक पर केस दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के तथाकथित अंतरराष्ट्रीय स्तर के उदय रंजन स्विमिंग पूल में बच्चों की जान जोखिम में डालने के मामले में कोतवाली पुलिस ने घटना के करीब 13 दिन बाद स्विमिंग पूल संचालक के खिलाफ लापरवाही और विषैली गैस के रख-रखाव में कोताही बरतने की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

बीती 20 अप्रैल की रात करीब 8 बजे, जब कई बच्चे पूल में तैराकी का अभ्यास कर रहे थे, अचानक क्लोरीन गैस के पाइप से रिसाव शुरू हो गया। गैस फैलते ही पानी के भीतर बच्चे सांस लेने के लिए छटपटाने लगे। दम घुटने और आंखों में जलन के कारण वहां हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद परिजनों और कोच ने तुरंत बच्चों को बाहर निकाला। इस हादसे में 4 वर्षीय प्रकृति और 9 वर्षीय हर्षित की हालत काफी बिगड़ गई थी। बच्चों को लगातार उल्टियां, खांसी और सांस लेने में भारी तकलीफ हो रही थी, जिसके बाद उन्हें निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कर 24 घंटे ऑब्जर्वेशन में रखा गया था।

जांच में लापरवाही मिली

मामले की गंभीरता और बच्चों के जीवन पर आए संकट को देखते हुए संचालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। एफआईआर के अनुसार संचालक द्वारा क्लोरीन जैसी विषैली गैस के रख-रखाव और उसके इस्तेमाल में घोर लापरवाही बरती गई। पुलिस ने संचालक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 284 जहरीले पदार्थ के संबंध में लापरवाही पूर्ण आचरण और धारा 337 दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाली लापरवाही से चोट पहुँचाना के तहत मामला दर्ज किया है।

क्यों खतरनाक है क्लोरीन का रिसाव?

स्विमिंग पूल के पानी को बैक्टीरिया और वायरस मुक्त रखने के लिए क्लोरीन का उपयोग किया जाता है। लेकिन यदि इसकी मात्रा अनियंत्रित हो जाए या गैस के रूप में इसका रिसाव हो, तो यह फेफड़ों और गले को बुरी तरह प्रभावित करती है। जानकारों के अनुसार बंद स्थान पर क्लोरीन गैस का रिसाव जानलेवा भी साबित हो सकता है।

दर्दनाक: पेड़ से टकराई तेज रफ्तार कार, 1 युवक की मौत, पांच गंभीर

कटनी। दोपहर मेट्रो

जिले के बड़वारा थाना इलाके के अंतर्गत गुजरने वाले नेशनल हाईवे - 40 पर रविवार एक भीषण सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसके पांच साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ग्राम मझगवां टोल नाका के पास उस समय हुआ जब तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुए सभी युवक आपस में दोस्त थे और बांधवगढ़ घूमने के लिए निकले थे। इसी दौरान ग्राम मझगवां के पास उनकी कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे के बाद मौके पर चीख - पुकार मच गई और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। दर्दनाक हादसे में 21 वर्षीय आंशिक सुहाने पिता अनिल सुहाने निवासी पन्ना मोड़ की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक को गंभीर चोटें आई थीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में कार में सवार पांच अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे के घायलों में 19 वर्षीय वेद सोनी पिता रमाकांत सोनी, निवासी आजाद चौक, 20 वर्षीय कृष्णा शर्मा पिता अखिलेश शर्मा निवासी सूर्या होटल के पास बस स्टैंड, 20 वर्षीय संभव सोनी पिता अमित सोनी निवासी पुरानी बस्ती, 20 वर्षीय रत्नेश धुरिया पिता आनंद प्रकाश धुरिया निवासी पुरानी बस्ती, 22 वर्षीय प्रथम और आदित्य लारिया पिता नीरज लारिया निवासी पुरानी बस्ती शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

सर्वे करने वाले सुपरवाइजर, प्रगणकों का फूलमाला पहनाकर किया स्वागत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर परिषद में मकान गणना (हाउस सर्वे) कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन द्वारा सुपरवाइजर और प्रगणकों का फूलमाला पहनाकर एवं रोली लगाकर स्वागत किया गया और सर्वे कार्य की शुरुआत कराई गई। नगर परिषद सीएमओ प्रेम सिंह चैहान ने बताया कि अभियान 1 मई से 31 मई तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान नगर के प्रत्येक घर तक पहुंचकर विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। मकान गणना के अंतर्गत प्रगणक एवं सुपरवाइजर घर-घर जाकर परिवार, मकान और अन्य आवश्यक विवरण दर्ज करेंगे। डेटा नगर के विकास कार्यों, योजनाओं और सुविधाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायक होगा। सीएमओ ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि जब प्रगणक एवं सुपरवाइजर आपके घर पहुंचे, तो उन्हें सही और पूरी जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि सर्वे कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो सके। नगर परिषद द्वारा किया जा रहा यह सर्वे भविष्य की शहरी योजनाओं, संसाधन प्रबंधन और सुविधाओं के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मेट्रो एंकर सुबह 3:30 बजे निकलते हैं छात्र, फिर भी 160 किमी दूर समय पर पहुंचना मुश्किल

गरीब छात्रों पर बोझ... रोज 700 रुपये खर्च कर देना होगा पेपर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित 'द्वितीय अवसर' परीक्षा के तहत तेंदूखेड़ा विकासखंड के तारादेही, समनापुर, सर्रा एवं अजीतपुर गांवों के सैकड़ों विद्यार्थियों को गंभीर परिवहन समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इन सभी गांवों के परीक्षा केंद्र जिला मुख्यालय दमोह में निर्धारित किए गए हैं, जो उनके निवास स्थान से लगभग 70 से 80 किलोमीटर दूर स्थित है।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि इन गांवों से दमोह तक पहुंचने के लिए कोई सीधी परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं है। विद्यार्थियों को पहले 25-30 किलोमीटर दूर तेंदूखेड़ा तक निजी साधनों जैसे ऑटो या टैम्पो से पहुंचना पड़ता है, इसके बाद वहां से बस या टैक्सी बदलकर दमोह जाना होता है। इस पूरी यात्रा में एक तरफ से ही तीन से चार बार वाहन बदलने पड़ते हैं, जिससे समय और धन दोनों का अत्यधिक व्यय हो रहा है। परीक्षा का समय प्रातः 9 बजे निर्धारित है, जबकि विद्यार्थियों को सुबह 3:30 बजे ही घर से निकलना पड़ रहा है। इसके बावजूद समय पर परीक्षा केंद्र पहुंच पाना सुनिश्चित नहीं है। प्रतिदिन आने-जाने में लगभग 600 से 700 रुपये तक का खर्च आ रहा है, जो अधिकांश किसान एवं मजदूर परिवारों के लिए अत्यंत कठिन है। छात्राओं की स्थिति और भी चिंताजनक है, जिन्हें अंधेरे में सुनसान मार्गों से होकर यात्रा करनी पड़ रही है। सुरक्षा कारणों से अभिभावकों को साथ जाना पड़ता है, जिससे उनकी दैनिक मजदूरी भी प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही भीषण गर्मी लगभग 45 डिग्री तापमान में प्रतिदिन 150-160 किलोमीटर की यात्रा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। अभिभावकों और विद्यार्थियों में इस व्यवस्था के प्रति गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि 'द्वितीय अवसर' परीक्षा, जो विद्यार्थियों के लिए अंतिम उम्मीद होती है, वह अव्यवस्था के कारण असफलता में परिवर्तित हो रही है। कई विद्यार्थी केवल परिवहन अभाव के कारण परीक्षा छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं।

अभिभावकों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए दो प्रमुख समाधान सुझाए हैं–पहला, तरादेही एवं सर्रा से दमोह तक परीक्षा विशेष बस सेवा प्रारंभ की जाए; दूसरा, तेंदूखेड़ा में ही उप-परीक्षा केंद्र स्थापित किया जाए। जिला शिक्षा अधिकारी, दमोह के अनुसार परीक्षा केंद्रों का निर्धारण मंडल स्तर से किया गया है, किंतु स्थानीय स्तर पर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा सकते हैं। यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो यह समस्या सैकड़ों विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। प्रशासन से अपेक्षा है कि वह संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें।

आईपीएल मैच में दिखा ग्लैमर का जलवा,

पीवी सिंधू-काव्या मारन ने बढ़ाया फैंस का उत्साह

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेले गए आईपीएल मुकाबले में क्रिकेट के साथ ग्लैमर का भी जबरदस्त तड़का देखने को मिला। इस रोमांचक मैच को देखने के लिए ओलंपियन पीवी सिंधू और सनराइजर्स की मालकिन काव्या मारन स्टेडियम पहुंचीं, जिससे फैंस का उत्साह और बढ़ गया।

मैच के दौरान जैसे ही कैमरा स्टैंड्स की ओर घूमा, दर्शकों की नजर इन दोनों चर्चित हस्तियों पर टिक गई। सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन अक्सर अपनी टीम को सपोर्ट करते हुए दिखाई देती हैं, जबकि पीवी सिंधू की मौजूदगी ने इस मुकाबले को और खास बना दिया। सोशल मीडिया पर प्रशंसक उनकी तस्वीरों को साझा कर रहे हैं।

सुनील नरेन आईपीएल में 200 विकेट पूरे करने वाले पहले विदेशी

हैदराबाद। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। नरेन आईपीएल में 200 विकेट पूरे करने वाले कुल तीसरे और पहले विदेशी गेंदबाज बन गए हैं। नरेन से पहले युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार टूर्नामेंट में 200 से अधिक विकेट ले चुके हैं। नरेन आईपीएल के तीसरे सबसे सफल गेंदबाज भी हैं। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। हैदराबाद की टीम हालांकि, 19 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई। केकेआर के लिए वरुण चक्रवर्ती ने शानदार गेंदबाजी की और तीन विकेट लेने में सफल रहे। केकेआर के सभी गेंदबाजों को इस मैच में विकेट मिले। हैदराबाद की ओर से हेड ने 28 गेंदों पर नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 61 रन बनाए, जबकि ईशान किशन ने 29 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों के सहारे 42 रन की पारी खेली।

पंजाब ने गुजरात टाइटंस को दिया था 164 रनों का लक्ष्य

जीटी ने आखिरी ओवर में पंजाब किंग्स को हराया, सुंदर-जेसन होल्डर बने जीत के स्टार

अहमदाबाद, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के मैच नंबर-46 में रविवार (3 मई) को गुजरात टाइटन्स का सामना पंजाब किंग्स से हुआ। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में गुजरात टाइटन्स ने पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया। गुजरात टाइटन्स को जीत के लिए 164 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर हासिल कर लिया। आखिरी ओवर में गुजरात टाइटन्स को जीत के लिए 11 रन बनाने थे। इस लक्ष्य को अरशद खान और वॉशिंगटन सुंदर ने मिलकर पूरा किया। सुंदर ने मार्कस स्टोइनिस की गंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। सुंदर ने 5 चौके और एक छक्के की मदद से 23 बॉल पर नाबाद 40 रनों का योगदान दिया। पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स का प्रदर्शन मौजूदा सीजन में शानदार रहा है। पंजाब किंग्स ने 9 में से 6 मुकाबले जीते हैं और उसके 13 अंक हैं। दूसरी ओर गुजरात टाइटन्स ने 10 में से 6 मुकाबले अपने नाम किए हैं। गुजरात टाइटन्स के 12 पॉइंट्स हैं।

रनचेज में गुजरात टाइटन्स की शुरुआत खास नहीं रही। कप्तान शुभमन गिल सिर्फ 5 रनों के निजी स्कोर पर अर्शदीप सिंह का शिकार बन गए। इसके बाद साई सुदर्शन और जोस बटलर ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी की। विजयकुमार वैशाक ने बटलर (26 रन) को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। निशांत सिंधु सिर्फ 15 रन बना पाए और उनका विकेट मार्कस स्टोइनिस ने लिया। साई सुदर्शन ने अच्छी पारी खेली, लेकिन वो अहम मौके पर आउट हुए। सुदर्शन ने 5 चौके और एक छक्के की मदद से 41 बॉल पर 57 रन बनाए। राहुल तेवतिया की खराब फॉर्म जारी रही और वो सिर्फ 2 रनों के निजी स्कोर पर मार्को जानसेन का शिकार बने। तेवतिया के आउट होने के समय गुजरात का स्कोर 140/5 था। फिर जेसन होल्डर सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुए, जिसने मुकाबले को रोमांचक बना दिया।

पंजाब किंग्स की ऐसी रही बैटिंग

पंजाब किंग्स ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 9 विकेट पर 163 रन बनाए। पंजाब किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में उसने प्रियांश आर्य (2 रन) और कूपर कोनोली (0 रन) के विकेट गंवा दिए। दोनों बल्लेबाजों को मोहम्मद सिराज ने चलता किया। इसके बाद प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 33 रनों की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की। प्रभसिमरन 15 रनों के निजी स्कोर पर कगिसो रबाडा का शिकार बने, जिसके चलते यह पार्टनरशिप टूटी।

फिर जेसन होल्डर ने नेहाल वढेरा (0 रन) और श्रेयस अय्यर (19 रन) के विकेट लेकर पंजाब किंग्स की मुश्किलें बढ़ा दीं। श्रेयस के आउट होने के समय पंजाब किंग्स का स्कोर 47/5 था। यहां से सूर्यांश शेडगे और मार्कस स्टोइनिस ने मिलकर छठे विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी की। शेडगे ने 5 छक्के और तीन चौके की मदद से 29 बॉल पर 57 रनों का योगदान दिया। शेडगे का विकेट कगिसो रबाडा ने लिया।

इसके बाद जेसन होल्डर ने लगातार गेंदों पर मार्कस स्टोइनिस और जेवियर बार्टलेट (0 रन) को चलता कर पंजाब किंग्स को फिर बैकफुट पर ढकेला। स्टोइनिस ने 5 चौके और एक छक्के की मदद से 31 बॉल पर 40 रनों का योगदान दिया। मार्को जानसेन (20 रन) के रूप में पंजाब किंग्स का नौवां विकेट गिरा। गुजरात टाइटन्स की ओर से जेसन होल्डर ने 24 रन देकर 4 विकेट झटके। इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटन्स और पंजाब किंग्स के बीच अब तक 8 मुकाबले खेले गए हैं। इस दौरान गुजरात टाइटन्स ने 4 मैचों में जीत हासिल की। वहीं पंजाब किंग्स को भी 4 मैचों में सफलता हासिल हुई। दोनों टीमों के बीच मौजूदा सीजन में यह दूसरी टक्कर रही। 31 मार्च को खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटन्स को 3 विकेट से हरा दिया था।

आईपीएल के उलटफेर का बाजीगर कौन....

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

2 माह से अधिक चलने वाले आईपीएल 2026 अब अपने रोमांचक दौर में पहुंच गया है।70 मैचों के लीग चरण में 46 मुकाबले होने के बाद जो तस्वीर निकल कर आयी थी,उसके बाद ऐसा लग रहा था कि बहुत ज्यादा उठा पटक की उम्मीद आखिरी 24 मैचों शायद न देखने को मिले।टॉप 4 में पंजाब,बेंगलुरु, राजस्थान और हैदराबाद ने जिस एक तरफा अंदाज में मुकाबले जीत कर यह जगह बनायी थी उसमें उलटफेर की गुंजाइश कम नजर आ रही थी।वहीं चेन्नई,मुंबई, कोलकाता और लखनऊ के घटिया खेल ने भी आईपीएल के रोमांच को काफी फीका कर दिया था।लेकिन अब ऐसा लगने लगा है कि आईपीएल के असल दौर यानी उलटफेर चक्र की शुरुआत हो गयी है।पहले पंजाब की हार उसके बाद बेंगलुरु और अब राजस्थान की शिकस्त से तो यही एहसास हो रहा है कि आईपीएल में रोमांच के गणित का आगाज हो गया है।हालांकि ऐसा माना जा रहा है कि 5 बार की चैंपियन मुंबई को मिली शिकस्त के बाद प्लेऑफ के रास्ते लगभग बंद हो गये हैं।लेकिन कल खेले गए डबल हेडर मुकाबलों के रिजल्ट ने आईपीएल को थोड़ा और दिलचस्प बना दिया है।रविवार को हुई पहली भिड़ंत में जहां कोलकाता ने कमाल दिखाया,वहीं दूसरे मुकाबले में एक बार फिर टॉप टीम पंजाब की गुजरात से मिली शिकस्त ने इस दौर के रोमांच में चार चांद लगा दिये हैं।

अभी भी आधिकारिक तौर पर सभी टीमों के लिए टॉप 4 की रेस के दरवाजे खुले हुए है।मतलब साफ है कि 46 मैचों के बाद न ही कोई टीम टॉप 4 की रेस से बाहर हुई है न ही इसके लिए क्वालीफाई हुई है।आज होने वाले मैच में अगर मुंबई की टीम लखनऊ से हार जाती है तो फिर शायद यह चैंपियन टीम दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम हो सकती है ,लेकिन अगर मुकाबला लखनऊ हार गयी तो फिर सभी टीमें के लिए अगर-मगर व रनरेट के गणित बरकरार रहेंगे।अगर हम पिछले कुछ मैचों पर नजर डालें तो फिर मुंबई को छोड़कर सभी पिछड़ी हुई टीमों ने कुछ हद तक वापसी है।इस वापसी में उल्लेखनीय बात यह रही है कि अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों का किरदार अहम साबित हुआ है।वहीं लगातार धमाका कर रहे युवा विस्फोटक बल्लेबाज इस दौरान खामोश नजर आये हैं।बल्लेबाजी के दम पर लगातार जीत रही पंजाब,राजस्थान,हैदराबाद और बेंगलुरू को मिली शिकस्त तो कुछ ऐसा ही इशारा कर रही है कि आने वाले मुकाबलों में गेंद ओर बल्ले की बीच वह जंग देखने को मिल सकती है,जिसके आईपीएल जाना जाता है।मतलब साफ है कि अब कोई भी मुकाबला सिर्फ बल्लेबाजी की बदौलत जीता नहीं जायेगा क्योंकि अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों ने भी अपने हाथ दिखाना शुरू कर दिये हैं।मतलब एकदम साफ है कि आईपीएल का उलटफेर का यह दौर बेहद रोमांचक होने की आस है।वैसे भी अगर 70 मैचों के लीग चरण में आखिरी राउंड के मैचों तक सनसनीखेज मुकाबले न हुए तो फिर इतने अधिक मैचों के मायने क्या रह जायेंगे।हाल फिलहाल में अगर पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो फिर टॉप 4 ओर बॉटम 4 में जो टीमें विराजमान हैं उसमें थोड़ा बहुत उलटफेर होना तय है।अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि बाजीपलट वाले इस उलटफेर के दौर में कौनसी टीम कितना सफल होती है।वैसे रोमांच के इस दौर में 5वें और 6वें नंबर पर बैठी टीमें भी कुछ न कुछ कमाल तो निश्चितौर पर ही करेंगी।बाजी कौनसी टीम मारेगी व कौन इस दौर में पिछड़ जायेगा यह तो वक्त ही बतायेगा, लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि आईपीएल के नजरिये और युवाओं के जोश में तजुर्बेकार खिलाड़ी क्या गुल खिलाते है,वह इसी दौर के मुकाबलों में अब देखने को मिलेगा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

यश के साथ इंटीमेट सीन से खुश नहीं कियारा आडवाणी!

टॉक्सिक मेकर्स से की हटाने की मांग

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी इन दिनों अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बीच के तालमेल को लेकर चर्चा में हैं। मां बनने के बाद कियारा एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म %टॉक्सिक-ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स% को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है। हालांकि, फिल्म अपनी रिलीज से पहले ही विवादों और चर्चाओं के घेरे में आ गई है। ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो कियारा ने फिल्म के कुछ खास सीन्स को लेकर मेकर्स के सामने अपनी बात रखी है, जिससे फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

'Gulte' की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, कियारा आडवाणी ने फिल्म का फाइनल आउटपुट देखने के बाद डायरेक्टर गीतू मोहनदास और एक्टर यश से एक खास रिक्वेस्ट की है। बताया जा रहा है कि कियारा ने फिल्म के कुछ इंटीमेट सीन्स को हटाने या उनकी लंबाई कम करने की बात कही है। दरअसल, पहले ऐसी खबरें आई थीं कि कियारा ने यश के साथ कुछ बोल्ड सीन शूट किए थे। शूटिंग के वक्त डायरेक्टर ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि ये सीन उनकी सहजता यानी %कम्फर्ट जोन% को ध्यान में रखकर ही फिल्माए जाएंगे। लेकिन पर्दे पर फाइनल एडिटिंग देखने के बाद, एक्ट्रेस को लगा कि इन सीन्स का प्रेजेंटेशन उनकी सोच से थोड़ा अलग है, जिसके बाद उन्होंने बदलाव की इच्छा जाहिर की।रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि कियारा ने टॉक्सिक के मेकर्स से स्पष्ट रूप से कहा है कि या तो उन सीन्स को काफी छोटा कर दिया जाए या फिर फाइनल कट में उन्हें थोड़ा सॉफ्ट या हल्का रखा जाए। मां बनने के बाद अपनी नई पारी की शुरुआत कर रहीं कियारा शायद अपनी स्क्रीन इमेज को लेकर अब और भी ज्यादा सतर्क हो गई हैं।

टीजर पर पहले हो चुका विवाद

यह फिल्म पहले भी अपनी कुछ सीन्स दिखाने के बाद विवादों में घिर चुकी है। फिल्म के एक टीजर में यश को राया नाम के एक गैंगस्टर के रूप में दिखाया गया था। टीजर के एक सीन में वह कब्रिस्तान के पास खड़ी कार में एक महिला के साथ सेक्स करते हुए नजर आए थे, जिसकी सोशल मीडिया पर खूब आलोचना हुई थी। फिल्म की स्टारकास्ट काफी बड़ी है, जिसमें तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी और नयनतारा जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं।

ये आलू का बोरा है, अक्षरा को देखकर बोले रवि किशन, बॉडी शेमिंग से नाराज हुईं एक्ट्रेस

भोजपुरी सिनेमा की शेरनी कही जाने वाली अक्षरा सिंह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी अदाकारी और सुरीली आवाज से करोड़ों दिलों पर राज करने वाली अक्षरा अक्सर अपने बेबाक बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। वह उन एक्ट्रेसेस में से हैं जो कड़वे सच बोलने से कभी पीछे नहीं हटतीं। अब हाल ही में अक्षरा ने एक पॉडकास्ट के दौरान अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है अक्षरा ने बताया कि कैसे सुपरस्टार रवि किशन ने, जिन्होंने उन्हें पहला ब्रेक दिलाने में मदद की थी, उनके वजन को लेकर ऐसी बात कह दी थी जो उन्हें सीधे दिल पर जाकर लगी।

हाल ही में अक्षरा सिंह जिंगाबाद के पॉडकास्ट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़े कई राज खोले। अक्षरा ने बताया कि वह शुरुआत में एक्टिंग में आने के बारे में सोच भी नहीं रही थीं। उन्हें रवि किशन ने ही पहली फिल्म दिलाई थी। अक्षरा के मुताबिक, रवि किशन ने पहले तो उनके डांस और स्माइल की जमकर तारीफ की, लेकिन फिर अचानक उन्होंने बॉडी शेमिंग करते हुए कुछ ऐसा कहा जो बेहद आपत्तिजनक

था। अक्षरा ने याद करते हुए बताया, उन्होंने मुझे स्क्रीन पर देखा और बोले कि यह प्यारी है, स्माइल अच्छी है, लेकिन तभी उन्होंने एक लाइन बोली– यह तो आलू का बोरा है, इतनी मोटी है, क्या दिन भर खाती रहती है? रवि किशन जैसी बड़ी शख्सियत के मुंह से खुद के लिए आलू का बोरा सुनकर अक्षरा चुप नहीं रहीं। उन्होंने बताया कि वह उस वक्त उनके साथ इतनी सहज हो गई थीं कि उन्होंने बिना डरे पलटकर जवाब दे दिया। अक्षरा ने रवि किशन से कहा, कास्ट तो आपने ही किया है, फिर आप मुझे ऐसा क्यों कह रहे हैं? आप होंगे अपने घर के स्टार, पर मुझे आलू का बोरा मत कहिए।

मेट्रो बाजार

कोयला गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए नए इंसेंटिव पैकेज देने की कर रही तैयारी केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश में कोयला गैसीफिकेशन प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देने के लिए नया इंसेंटिव पैकेज देने की तैयारी कर रहा है और इसका परिव्यय 35,000 करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से दी गई। इसे कोयला मंत्रालय द्वारा जनवरी 2024 में शुरू किए गए 8,500 करोड़ रुपए के इंसेंटिव प्रोग्राम का की विस्तार माना जा रहा है, जिसने देश में कोयला गैसीफिकेशन की नींव रखी थी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा विचाराधीन प्रस्तावित योजना का उद्देश्य देशभर में सतही कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं में तेजी लाना है, जिससे एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट और अमोनिया पर आयात निर्भरता कम करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। इस योजना का लक्ष्य 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण क्षमता के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति को तेज करना भी है।

देश में कोल गैसीकरण को ऐसे समय पर बढ़ावा दिया जा रहा है, जब मध्य पूर्व संघर्ष के कारण एलएनजी, उर्वरक और उर्वरक कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला में बाधा बनी हुई है। इस वर्ष फरवरी में कोयला मंत्रालय ने घोषणा की थी कि उसने देश के कार्बन उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई 8,500 करोड़ रुपए की कोयला गैसीकरण प्रोत्साहन योजना की श्रेणी के तहत चयनित आवेदकों को लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) जारी कर दिए हैं।

मध्य पूर्व में तनाव से भारत में हो सकता है करीब 800 अरब डॉलर का निवेश: मॉर्गन स्टेनली

नई दिल्ली। दिग्गज अमेरिकी निवेश फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अपने ताजा नोट में कहा कि मध्य पूर्व में तनाव के कारण तेल और गैस की आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा आने से भारत में निवेश बढ़ सकता है और वित्त वर्ष 30 तक इन्वेस्टमेंट-टू-जीडीपी रेश्यो बढ़कर 37.5 प्रतिशत हो सकता है, जो कि फिलहाल 36.7 प्रतिशत है। नोट में बताया गया कि ऐसे होने पर भारत में अगले पांच वर्षों में भारत में करीब 800 अरब डॉलर का अतिरिक्त पूंजीगत निवेश देखने को मिल सकता है। इसमें 60 प्रतिशत से अधिक नया निवेश एनर्जी, डेटा सेंटर्स और डिफेंस पर केंद्रित होगा।

ग्लोबल फर्म का मानना है कि पूंजीगत व्यय में इस उछाल का भारतीय शेयर बाजार पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। मजबूत निवेश चक्र से जीडीपी में कॉरपोरेट मुनाफे की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है, जिससे इस अवधि के दौरान आय में 15 प्रतिशत से अधिक की सीएजीआर वृद्धि को समर्थन मिलेगा। मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि इस गति से बाजार वित्त वर्ष 2031 की आय के 10 गुना तक पहुंच सकता है। इस निवेश में तेजी का कारण मध्य पूर्व संघर्ष से उजागर हुई कमजोरियां हैं, विशेष रूप से आयातित ऊर्जा और आवश्यक इनपुट पर भारत की भारी निर्भरता। नीति निर्माता आत्मनिर्भरता और जोखिम कम करने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ऊर्जा क्षेत्र में, जहां भारत अपनी लगभग 85 प्रतिशत कच्चे तेल और आधी प्राकृतिक गैस की जरूरतों का आयात करता है, सरकार बहुआयामी रणनीति अपना रही है। इसमें रणनीतिक भंडारों का विस्तार, घरेलू कोयला उत्पादन और गैसीकरण को बढ़ावा देना, बेहतर ग्रिड अवसंरचना के साथ नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाना और परमाणु परियोजनाओं को आगे बढ़ाना शामिल है।

तेल, टकराव और ताक़त की राजनीति, क्या अमेरिका-चीन आमने-सामने हैं?

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

वैश्विक राजनीति के मौजूदा दौर में ऊर्जा सिर्फ आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि रणनीतिक हथियार बन चुकी है। हाल ही में अमेरिका ने चीनी रिफाइनरियों पर जो पाबंदी लगाई है वह इसी बदलती भू-राजनीतिक वास्तविकता का संकेत हैं। इन प्रतिबंधों का घोषित उद्देश्य ईरान की तेल आय को सीमित करना है, लेकिन इसका वास्तविक प्रभाव सीधे चीन पर पड़ रहा है। उस चीन पर जो दुनिया का सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है।

अमेरिका ने जिन पाँच बड़ी तेल रिफाइनिंग से जुडी कंपनियों पर पाबंदी लगाई है उनमे हेंगली पेट्रोकेमिकल, शेंडॉन्ग लक्विंग पेट्रोकेमिकल, शेंडॉन्ग जिनशेंग पेट्रोकेमिकल, हेबेई शिन्हई केमिकल और शेंडॉन्ग शेंग्सिंग केमिकल शामिल हैं। इन पर अमेरिका की इजाज़त के बग़ैर क्रूड तेल लेने और उन्हें रिफाइन करने का आरोप मढ़ा गया है। ये रिफाइनरी हर रोज़ हज़ारों बैरल तेल उत्पादित करती हैं। यह घटनाक्रम महज आर्थिक कार्रवाई नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन की परीक्षा है। चीन ने जिस तरह 'ब्लॉकिंग लॉ' लागू कर अमेरिकी प्रतिबंधों को मानने से इनकार किया है, वह एक स्पष्ट संदेश है कि वह अपनी आर्थिक संप्रभुता से समझौता करने को तैयार नहीं है। यह पहली बार है जब चीन ने इतनी स्पष्टता से अमेरिकी कानूनों की बाहरी सीमा को चुनौती दी है। इससे यह भी संकेत मिलता है कि आने वाले समय में वैश्विक व्यापार नियमों की व्याख्या और उनको लागू करने के तौर तरीकों को लेकर टकराव बढ़ सकता है।

यह पाबंदी सैन्य टकराव का कारण बनेगी ?

प्रश्न यह है कि क्या यह टकराव सैन्य संघर्ष का रूप ले सकता है ? फिलहाल ऐसा लगता नहीं है। दोनों ही देश प्रत्यक्ष युद्ध के खतरों को भली-भांति समझते हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि आर्थिक और सामरिक दबाव की यह राजनीति कभी-कभी अनियंत्रित दिशा में बढ़ सकती है। विशेष रूप से हॉर्मुज़ स्ट्रेट जैसे संवेदनशील समुद्री मार्गों में यदि तनाव बढ़ता है, तो स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। ट्रम्प की रणनीति को 'मैक्सिमम प्रेशर' की नीति के रूप में देखा जा सकता है। उनका उद्देश्य ईरान को आर्थिक रूप से कमजोर करना और साथ ही चीन पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। घरेलू राजनीति के स्तर पर यह नीति उन्हें एक सख्त नेता की छवि देती है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके दुष्परिणाम भी सामने आ सकते हैं। यदि चीन इस दबाव के आगे नहीं झुकता, तो अमेरिका की वैश्विक विश्वसनीयता पर प्रश्न उठ सकते हैं।

चीन के पास और भी हैं रास्ते

चीन के पास भी विकल्पों की कमी नहीं है। वह वैकल्पिक आपूर्ति मार्गों, 'शैडो फ्लीट' और क्षेत्रीय साझेदारियों के माध्यम से अपने ऊर्जा हितों की रक्षा कर सकता है। इसके अलावा, रूस और उत्तरी कोरिया जैसे देशों का कूटनीतिक समर्थन उसे और मजबूती दे सकता है। यह स्थिति धीरे-धीरे एक नए वैश्विक ध्रुवीकरण की ओर इशारा करती है, जहां पश्चिमी और गैर-पश्चिमी खेमों के बीच दूरी बढ़ती जा रही है। होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिकी नाकेबंदी और तनाव के बीच अगर समुद्री रास्ता बंद हुआ तो चीन के पास अफगानिस्तान के भूमि मार्ग का विकल्प है। चीन पहले से ही ईरान -अफगानिस्तान से जोड़ने वाली सड़क और रेल परियोजनाओं पर काम कर रहा है। यह रास्ता होर्मुज जैसे समुद्री खतरे को पूरी तरह बायपास कर सकता है। वाखान कॉरिडोर इसका बड़ा विकल्प है। चीन अफगानिस्तान के जरिये ईरान तक हाईवे बनाने की भी शुरुआत कर चुका है। ये ईरानी तेल ट्रांसपोर्ट का सबसे तेज रूट हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। यदि तेल आपूर्ति बाधित होती है या कीमतों में तेज़ उछाल आता है, तो इसका असर विकासशील देशों से लेकर विकसित अर्थव्यवस्थाओं तक महसूस किया जाएगा। ऊर्जा संकट, महंगाई और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी चुनौतियाँ वैश्विक स्थिरता को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे हालत में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अमेरिका और चीन के बीच यह टकराव किसी एक देश की जीत या हार से कहीं अधिक व्यापक परिणाम लेकर आएगा। यह वैश्विक व्यवस्था के स्वरूप को बदल सकता है। सवाल यह नहीं है कि कौन झुकेगा, बल्कि यह है कि क्या दुनिया इस बढ़ते तनाव के बीच संतुलन बनाए रख पाएगी ?

इंडस्ट्रियल हब बना हरिद्वार!

हरिद्वार। धर्मनगरी में आध्यात्मिक गंगा के साथ औद्योगिक विकास की गंगा भी तेजी से बह रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में 2,946 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी मिली है।364 प्रस्तावों में महज एक प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ। प्रस्तावित उद्योगों से 23,212 नए रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है। नए वित्तीय वर्ष में भी करीब 107 करोड़ के निवेश के लिए 801 रोजगार वाले 18 प्रस्ताव मंजूर हो चुके हैं।जिले में इंवेस्ट उत्तराखंड के तहत वर्ष 2016 से अभी तक 3,087 प्रस्ताव स्वीकृत हुए हैं। इनसे 15,011 करोड़ रुपये का निवेश और 1.05 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि हरिद्वार पिछले एक दशक में राज्य के औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है।

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की फ्लाइट हुई डायवर्ट, भोपाल में करानी पड़ी लैंडिंग

लखनऊ। यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की फ्लाइट खराब मौसम की वजह से डायवर्ट करनी पड़ी है। वह दिल्ली से लखनऊ आ रहे थे लेकिन 3 बार लखनऊ एयरपोर्ट पर असफल लैंडिंग के बाद विमान को भोपाल भेजा गया और दोनों डिप्टी सीएम भोपाल में सुरक्षित उतरे।

क्या है पूरा मामला?

खराब मौसम के चलते दोनों डिप्टी ष्टरूकी फ्लाइट डायवर्ट की गई और भोपाल में लैंडिंग हुई। दिल्ली से लखनऊ आ रही इंडिगो

फ्लाइट को खराब मौसम के कारण डायवर्ट कर दिया गया। फ्लाइट में डिप्टी CM केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे।

लखनऊ एयरपोर्ट पर तीन बार लैंडिंग का प्रयास विफल होने के बाद विमान को भोपाल भेजा गया। दोनों डिप्टी सीएम भोपाल में सुरक्षित उतर गए हैं। लखनऊ में तेज हवाओं और खराब विजिबिलिटी के चलते लैंडिंग नहीं हो सकी।

इससे पहले इंडिगो उस वक्त चर्चा में आया था, जब सिविल एविएशन मिनिस्टर ने फरवरी 2026 में संसद में इस बात की जानकारी दी थी कि 50 फीसदी विमानों में बार-बार खराबी आ रही है। सरकार ने बताया था कि पिछले साल जनवरी से छह निर्धारित एयरलाइनों के 754 विमानों की जांच की गई, जिसमें 377 विमान ऐसे मिले, जिनमें बार-बार खराबी आ रही थी। इंडिगो के सबसे ज्यादा विमानों की जांच हुई थी।

ट्रम्प की चेतावनी- ईरान ने दखल दिया तो अंजाम बुरा होगा

प्रोजेक्ट फ्रीडम शुरू: अमेरिका होर्मुज में फंसे जहाजों को सुरक्षित निकालेगा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज से जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए एक समुद्री अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। इस मिशन का नाम 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' रखा गया है।ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर बताया कि कई देशों ने अमेरिका से मदद मांगी है। उनके जहाज यहां फंस गए हैं। ट्रम्प ने इन जहाजों और उनके कर्मचारियों को निर्दोष बताया और कहा कि वे हालात के कारण मुश्किल में फंस गए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका इन जहाजों को सुरक्षित रास्ता दिखाएगा ताकि वे बिना किसी खतरे के अपना काम जारी रख सकें। यह ऑपरेशन सोमवार सुबह से शुरू होगा। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि अगर इस ऑपरेशन में ईरान ने कोई रुकावट पैदा की तो अमेरिका सख्त जवाब देगा।

ईरान से जंग करके ट्रंप ने कर दी बड़ी गलती! लोकप्रियता में भारी गिरावट

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में भारी गिरावट दर्ज की गई है। एक ताजा सर्वे के मुताबिक, उनकी कुल स्वीकृति रेटिंग घटकर 37 प्रतिशत रह गई है, जबकि 66 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक उनकी आर्थिक नीतियों से संतुष्ट नहीं हैं। यह सर्वेक्षण वॉशिंगटन पोस्ट, एबीसी न्यूज और इप्सोस द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है। नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले इस सर्वेक्षण को काफी अहम माना जा रहा है। सर्वेक्षण में सामने आया कि आर्थिक मुद्दों पर ट्रंप की स्थिति कमजोर हुई है।

अर्थव्यवस्था के मामले में गिरी रेटिंग

अर्थव्यवस्था के मामले में ट्रंप की रेटिंग 7 अंक गिरकर 34 प्रतिशत रह गई है। महंगाई को लेकर उनकी स्वीकृति रेटिंग 5 अंक गिरकर 27 प्रतिशत हो गई, जबकि जीवन-यापन की लागत के मुद्दे पर उनकी रेटिंग सबसे कम 23 प्रतिशत रही। इस मुद्दे पर 76 प्रतिशत लोगों ने असहमति जताई है। ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर भी उनकी लोकप्रियता पर साफ तौर पर देखा गया है। ईरान के साथ बढ़ते तनाव ने भी ट्रंप के प्रति लोगों के भरोसे को प्रभावित किया है। सर्वेक्षण के अनुसार 66 प्रतिशत अमेरिकियों ने ईरान से निपटने के उनके तरीके को लेकर असहमति जताई, जबकि केवल 33 प्रतिशत लोगों ने समर्थन किया। सर्वे के नतीजों से साफ है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी ट्रंप की नीतियों को लेकर जनता में असंतोष बढ़ा है। हालांकि, आव्रजन के मुद्दे पर ट्रंप को अन्य विषयों की तुलना में अपेक्षाकृत बेहतर समर्थन मिला है।

होर्मुज में 2000 जहाज फंसे, पहली बार एक साथ इतने अटके

इंटरनेशनल मैरिटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक होर्मुज में हालात काफी गंभीर हैं। यहां पर करीब 2,000 जहाज फंसे हुए हैं और इन पर काम करने वाले लगभग 20,000 नाविक (सीफेयरर्स) वहीं अटके हुए हैं। इन जहाजों में सिर्फ तेल के टैंकर ही नहीं, बल्कि गैस टैंकर, माल ढोने वाले बड़े जहाज और यहां तक कि टूरिस्ट क्रूज जहाज भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद अब तक इस इलाके में कम से कम 19 हमले जहाजों पर हो चुके हैं। इन हमलों में 10 लोगों की मौत हुई है और 8 लोग घायल हुए हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि जो जहाज फंसे हुए हैं, उनमें खाने-पीने का सामान, ईंधन और पानी तेजी से खत्म हो रहा है। IMO के अधिकारी डेमियन शेवेलियर ने कहा कि आधुनिक समय में इतने बड़े पैमाने पर नाविकों का एक साथ फंस जाना पहले कभी नहीं हुआ।

लिपुलेख विवाद: नेपाल को भारत ने सबूतों के साथ दिया करारा जवाब

कहा- 'ये 1954 से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा का पुराना मार्ग'

नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय ने लिपुलेख दर्रा के मुद्दे पर नेपाल को करारा जवाब दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नेपाल के विदेश मंत्रालय की टिप्पणियों के संबंध में मीडिया के सवालों का जवाब दिया। रणधीर जयसवाल ने कहा, 'इस संबंध में भारत का रुख हमेशा से एक जैसा और स्पष्ट रहा है। लिपुलेख दर्रा 1954 से ही कैलाश मानसरोवर यात्रा का एक पुराना मार्ग रहा है। इस मार्ग से यात्रा दशकों से जारी है। यह कोई नई बात नहीं है।'

ऐसे दावे नहीं हैं सही- भारत: इसके साथ ही उन्होंने कहा, 'जहां तक क्षेत्रीय दावों की बात है, भारत ने हमेशा यह कहा है कि ऐसे दावे न तो सही हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों और सबूतों पर आधारित हैं। क्षेत्रीय दावों का इस तरह से एकतरफा और मनमाने ढंग से विस्तार करना स्वीकार्य नहीं है।'

मुद्दों पर बातचीत के लिए हमेशा तैयार: रणधीर जायसवाल ने कहा, 'भारत, नेपाल के साथ बातचीत के लिए हमेशा तैयार है। इसमें बातचीत और कूटनीति के माध्यम से सीमा से जुड़े उन लंबित मुद्दों को सुलझाना भी शामिल है।

यह है पूरा मामला?

दरअसल, नेपाल ने रविवार को भारत और चीन द्वारा लिपुलेख दर्रे के रास्ते आगामी कैलाश मानसरोवर यात्रा आयोजित करने की योजना पर आपत्ति जताई है। नेपाल ने दावा किया कि यह उसका क्षेत्र है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि तीर्थयात्रा के मार्ग को अंतिम रूप देने से पहले काठमांडू से परामर्श नहीं किया गया। नई दिल्ली का यह निरंतर कहना रहा है कि कि लिपुलेख भारत का हिस्सा है।

तिलक चढ़ाकर लौट रहे परिवार के 5 की मौत

रोहतास। बिहार में रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र में तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। दिनारा थाना क्षेत्र के मठिया गांव निवासी अशोक सिंह की बेटी का तिलक चढ़ाने के लिए कुछ लोग चेनारी थाना क्षेत्र के लोधी गांव गांव गए हुए थे। तिलक समारोह के बाद कुछ लोग आज तड़के अपने गांव मठिया थे। जैसे ही बस से उतरकर लोग सड़क पार करने की कोशिश कर रहे थे, तभी पीछे से आ रही कंटेनर ट्रक ने एक पिकअप वैन को टक्कर मार दी।

चीन की चेतावनी पर झुका पाकिस्तान गधे के मांस निर्यात को दी मंजूरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने चीन को गधे के मांस के निर्यात को मंजूरी दे दी है। यह फैसला एक चीनी कंपनी द्वारा अपना परिचालन बंद करने की चेतावनी दिए जाने के बाद लिया गया है। इसके बाद प्रधानमंत्री कार्यालय को आनन-फानन में इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। यह विवाद ग्वादर में सक्रिय 'हानगेंग ट्रेड कंपनी' से संबंधित है।

ग्वादर एक ऐसा बंदरगाह शहर है, जो चीन समर्थित परियोजनाओं का मुख्य केंद्र है। यहां निर्यात की मंजूरियों में महीनों की देरी हो रही थी, जिसने विदेशी निवेश वाली परियोजनाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस महीने के अंत में शहबाज जाएंगे चीन

पाकिस्तान सरकार का यह फैसला इस महीने के अंत में एक निवेश मंच की बैठक में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की होने वाली चीन यात्रा पर चर्चाओं के बीच आया है। 'हानगेंग ट्रेड कंपनी' एक बूचड़खाना चलाती है तथा गधे का मांस और चमड़ा चीन को निर्यात करती है।

मेट्रो एंकर

पुतिन का खतरनाक दिमाग, धरे रह गए यूएस के प्रतिबंध

रूस ने बर्तन धोने वाली मशीन से बनाई घातक मिसाइलें

मॉस्को, एजेंसी

दुनिया में जब एडवांस मिसाइलों की बात आती है तो महंगे और बहुत मुश्किल से मिलने वाले रेयर अर्थ मिनिरल्स की जरूरत होती है। दुनिया के कई देश इसे पाने के लिए तरह-तरह की डील्स कर लेकिन किसी ने भी नहीं सोचा होगा कि एक देश 'बर्तन धोने वाली मशीन' से मिसाइल बना डालेगा और भी इतनी घातक कि उसके जरिए युद्ध के मैदान में तबाही मचा देगा। ये काम किया है कि भारत के दोस्त रूस ने, जिस पर अमेरिका ने ने इतने तगड़े प्रतिबंध लगाए थे कि हथियार बनाना तो क्या उसके कल-पुर्जे भी रूस के हाथ नहीं लग पा रहे थे। फिर पुतिन ने वो जुगाड़ लगाया जो शायद ही कोई वर्ल्ड लीडर के दिमाग में आए।

रूस कीस टेक सप्लाई पर अमेरिका ने लगाया था ताला: जब अमेरिका और उसके साथियों ने रूस की

घेराबंदी करने के लिए वहां तकनीकी सामान की सप्लाई पर पूरी तरह से कुंडी लगा दी, तो दुनिया को लगा कि अब पुतिन के टैंक और मिसाइलें कबाड़ बन जाएंगी। लेकिन हकीकत इसके उलट निकली। रूस ने एक ऐसी चौंकाने वाली तकनीक अपनाई है जिसने वॉशिंगटन के बड़े-बड़े जानकारों की नींद उड़ा दी है। रूस अब अपनी घातक मिसाइलों को उड़ाने के लिए उन चिप्स का इस्तेमाल कर रहा है जो आपके घर के डिशवॉशर यानी बर्तन धोने वाली मशनी और फ्रिज में लगी होती हैं। ये कहानी केवल युद्ध की नहीं, बल्कि एक ऐसे अंडरग्राउंड तस्करी नेटवर्क की है जिसने दुनिया की सबसे बड़ी ताकतों को चकमा दे दिया है।

जुगाड़ से बनाई घातक मिसाइलें

अमेरिका और उसके सहयोगियों का मानना था कि अगर रूस को एडवांस्ड सेमीकंडक्टर्स चिप्स नहीं मिलेंगे तो उसका मिलिट्री पावर ध्वस्त हो जाएगा। ये तर्क सही भी है क्योंकि आज के दौर में मिसाइलें लोहे से नहीं, बल्कि माइक्रोचिप्स से चलती हैं लेकिन रूस ने एक 'मास्टरस्ट्रोक' खेला। उसने कजाकिस्तान, आर्मेनिया और किर्गिस्तान जैसे पड़ोसी देशों में रातों-रात हजारों फर्जी कंपनियां खड़ी कर दीं। ये कंपनियां टैंक या गन नहीं, बल्कि लाखों की संख्या में यूरोपीय डिशवॉशर, वॉशिंग मशीन और यहां तक कि इलेक्ट्रिक ब्रेस्ट पंप खरीद रही थीं। हैरान करने वाली बात ये है कि एक 35-40 हजार रुपए के साधारण डिशवॉशर में उतनी ही कंप्यूटिंग पावर होती है जितनी कि 18-19 करोड़ की एक रूसी 'कैलिबर' क्रूज मिसाइल को गाइड करने के लिए चाहिए।

केन्या: भारी बारिश और बाढ़ से एक हफ्ते में 18 मौतें, हजारों बेघर

नैरोबी। पूर्वी अफ्रीकी देश केन्या में कुदरत का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले एक सप्ताह से जारी मूसलाधार बारिश और भीषण बाढ़ ने देशभर में तबाही मचा दी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले सात दिनों में ही 18 लोगों की जान जा चुकी है जिनमें से अधिकांश मौतें पानी में डूबने के कारण हुई हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अधिकतर लोगों की मौत डूबने से हुई है। देश के गृह मंत्रालय के अनुसार देशभर में बाढ़ से पिछले एक सप्ताह में 18 लोगों की मौत हुई है और 54,000 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं जिनमें से 6,000 परिवार देश की राजधानी नैरोबी के हैं। देशभर में कई विद्यालयों और अस्पतालों में पानी भर गया है तथा 17 सड़कों पर आवागमन बाधित हो गया है। भूस्खलन के कारण पश्चिमी रिफ्ट वैली क्षेत्र में हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। देश के जलविद्युत बांधों में जलस्तर बढ़ने के कारण ताना और अथी नदियों के किनारे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564